सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
हिंदी विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 के अनुसार
पाठ्यक्रम

एम.ए. : हिंदी (साहित्य) प्रथम तथा द्वितीय वर्ष
अयन : प्रथम–द्वितीय, तृतीय–चतुर्थ

पाठ्यक्रम : 2023-24

मानविकी संकाय
सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे–07 (भारत)
hodhindi@unipune.ac.in

Phone : 020- 25621640/41

सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
हिंदी विभाग

विभागीय अध्ययन मंडल

1. प्रो. (डॉ.) विजयकुमार रोडे – (अध्यक्ष)
2. प्रो. (डॉ.) सदानंद भोसले – सदस्य
3. प्रो. (डॉ.) शशिकला राय – सदस्य
4. डॉ. महेश दवंगे – सदस्य
5. डॉ. नितीन गायकवाड – सदस्य
6. डॉ. राजेंद्र घोडे – सदस्य

सलाहकार समिति

प्रो. (डॉ.) गजानन चव्हाण

प्रो. (डॉ.) विठ्ठल भालेराव

सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
हिंदी विभाग

एम.ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम तथा द्वितीय वर्ष

पाठ्यक्रम

अनुक्रमणिका

अ.क्र.		पाठ्यकम	श्रेयांक	पृष्ठ क्र.
1)		विभागीय अध्ययन मंडल	–	1
2)		प्रथम अयन प्रश्न पत्र सूची	–	5
3)		द्वितीय अयन प्रश्न पत्र सूची	–	6
4)		तृतीय अयन प्रश्न पत्र सूची	–	7
5)		चतुर्थ अयन प्रश्न पत्र सूची	–	8
6)		पाठ्यक्रम श्रेयांक, परीक्षा, मूल्यांकन संरचना सारिणी	–	9-13
7)	HS–1	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)	4	14-15
8)	HS–2	भाषा तथा भाषा विज्ञान	4	16-17
9)	HS–3	प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य	4	18-20
10)	HS–4	विशेष रचनाकार : शिवमूर्ति	2	21-23

11)	HS–5	नाटक एवं रंगमंच	4	24-25
12)	HS–6	विज्ञापन–लेखन और हिंदी	4	26-27
13)	HS–7	हिंदी गीत और गज़ल	4	28-30
14)	HS–8	हिंदी साहित्य और भारतीय संस्कृति	4	31-32
15)	HS–9	शोध – प्रविधि : सिद्धांत और स्वरूप	4	33-34
16)	HS–10	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4	35-37
17)	HS–11	शैली विज्ञान	4	38-39
18)	HS–12	आधुनिक कथा साहित्य (उपन्यास, कहानी)	4	40-42
19)	HS–13	विशेष रचनाकार : श्यौराज सिंह 'बेचैन'	2	43-44
20)	HS–14	टेलीविज़न पत्रकारिता	4	45-46
21)	HS–15	प्रादेशिक साहित्य (मराठी)	4	47-49
22)	HS–16	कथेतर साहित्य (आत्मकथा, निबंध, संस्मरण)	4	50-52
23)	HS–17	हिंदी भाषा और साहित्य को महाराष्ट्र का प्रदेय	4	53-54
24)	HS–18	अंतः कार्य प्रशिक्षण	4	55
25)	HS-19	आधुनिक हिंदी कविता	4	56-58
26)	HS-20	भारतीय काव्यशास्त्र	4	59-60
27)	HS-21	अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार	4	61-62
28)	HS-22	विशेष रचनाकार : गीतांजलि श्री	2	63-64
29)	HS-23	विज्ञान कथा साहित्य	4	65-66
30)	HS-24	सोशल मीडिया और हिंदी	4	67-68
31)	HS-25	हिंदी साहित्य और सिनेमा	4	69-70

32)	HS-26	**हिंदी व्यंग्य साहित्य**	4	71-72
33)	HS-27	**लघु–शोध प्रबंध लेखन : (परियोजना–I)**	4	73-74
34)	HS-28	**भारतीय साहित्य**	4	75-77
35)	HS-29	**पाश्चात्य काव्यशास्त्र**	4	78-79
36)	HS-30	**स्त्री–विमर्श**	4	80-81
37)	HS-31	**हिंदी आलोचना**	4	82-83
38)	HS-32	**सौंदर्यशास्त्र**	4	84-85
39)	HS-33	**वैश्विक साहित्य**	4	86-88
40)	HS-34	**हिंदी साहित्य और पर्यावरण**	4	89-91
41)	HS-35	**प्रबंध–लेखन : (शोध–परियोजना–II)**	6	82-93
42)		**परीक्षा पद्धति, मूल्यांकन एवं अंक विभाजन**		94-95

***

सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

हिंदी विभाग

एम.ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम तथा द्वितीय वर्ष

राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 2020

पाठ्यक्रम

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष

प्रथम अयन

Level : 6.0

• **अनिवार्य विषय (Major Core Mandatory)**		**Credit (श्रेयांक)**
HS–1	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)	4
HS–2	भाषा तथा भाषा विज्ञान	4
HS–3	प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य	4
HS–4	विशेष रचनाकार : शिवमूर्ति	2
• **वैकल्पिक विषय (Major Elective Any One)**		
HS–5	नाटक एवं रंगमंच	4
HS–6	विज्ञापन–लेखन और हिंदी	4
HS–7	हिंदी गीत और गज़ल	4
HS–8	हिंदी साहित्य और भारतीय संस्कृति	4
• **अनुसंधानपरक विषय (Research Methodology)**		
HS–9	शोध – प्रविधि : सिद्धांत और स्वरूप	4

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

• **अनिवार्य विषय (Major Core Mandatory)**		**Credit (श्रेयांक)**
HS–10	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4
HS–11	शैली विज्ञान	4
HS–12	आधुनिक कथा साहित्य (उपन्यास, कहानी)	4
HS–13	विशेष रचनाकार : श्यौराज सिंह 'बेचैन'	2
• **वैकल्पिक विषय (Major Elective Any One)**		
HS–14	टेलीविज़न पत्रकारिता	4
HS–15	प्रादेशिक साहित्य (मराठी)	4
HS–16	कथेतर साहित्य (आत्मकथा, निबंध, संस्मरण)	4
HS–17	हिंदी भाषा और साहित्य को महाराष्ट्र का प्रदेय	4
• **अंतः कार्य प्रशिक्षण (On job Training)**		
HS–18	अंतः कार्य प्रशिक्षण	4

एम. ए. हिंदी (साहित्य) द्वितीय वर्ष
तृतीय अयन
Level : 6.5

• **अनिवार्य विषय (Major Core Mandatory)**		**Credit (श्रेयांक)**
HS-19	आधुनिक हिंदी कविता	4
HS-20	भारतीय काव्यशास्त्र	4
HS-21	अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार	4
HS-22	विशेष रचनाकार : गीतांजलि श्री	2
• **वैकल्पिक विषय (Major Elective Any One)**		
HS-23	विज्ञान कथा साहित्य	4
HS-24	सोशल मीडिया और हिंदी	4
HS-25	हिंदी साहित्य और सिनेमा	4
HS-26	हिंदी व्यंग्य साहित्य	4
• **अनुसंधानपरक विषय (Research Methodology)**		
HS-27	लघु–शोध प्रबंध (परियोजना–I)	4

एम. ए. हिंदी (साहित्य) द्वितीय वर्ष
चतुर्थ अयन
Level - 6.5

• **अनिवार्य विषय (Major Core Mandatory)**		**Credit (श्रेयांक)**
HS-28	भारतीय साहित्य	4
HS-29	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4
HS-30	स्त्री–विमर्श	4
• **वैकल्पिक विषय (Major Elective Any One)**		
HS-31	हिंदी आलोचना	4
HS-32	सौंदर्यशास्त्र	4
HS-33	वैश्विक साहित्य	4
HS-34	हिंदी साहित्य और पर्यावरण	4
• **अनुसंधानपरक विषय (Research Methodology)**		
HS-35	प्रबंध–लेखन (परियोजना–II)	6

सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

हिंदी विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020

पाठ्यक्रम

एम.ए. : हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष

अयन : प्रथम, द्वितीय तृतीय, चतुर्थ

पाठ्यक्रम श्रेयांक, परीक्षा मूल्यांकन, संरचना सारिणी

प्रथम अयन

Level : 6.0

अनु. क्र.	प्रश्नपत्र संख्या	प्रश्नपत्र शीर्षक	श्रेयांक	कुल तासिकाएँ	अध्यापन	क्षेत्रीय कार्य	अंतर्गत मूल्यांकन	अयनांत परीक्षा	कुल अंक
• अनिवार्य विषय (Major Core Mandatory)									
1.	HS-1	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)	4	60	व्याख्यान		50	50	100

2.	HS-2	**भाषा तथा भाषा विज्ञान**	4	60	**व्याख्यान**		50	50	100
3.	HS-3	**प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य**	4	60	**व्याख्यान**		50	50	100
4.	HS-4	**विशेष रचनाकार : शिवमूर्ति**	2	30	**व्याख्यान**		25	25	50
• **वैकल्पिक विषय (**Major Elective -Any one**)**									
5.	HS-5	**हिंदी नाटक एवं रंगमंच**	4	60	**व्याख्यान**	**क्षेत्रीय कार्य**	50	50	100
6.	HS-6	**विज्ञापन और हिंदी**	4	60	**व्याख्यान**	**क्षेत्रीय कार्य**	50	50	100
7.	HS-7	**हिंदी गीत और गज़ल**	4	60	**व्याख्यान**		50	50	100
8.	HS-8	**हिंदी साहित्य और भारतीय संस्कृति**	4	60	**व्याख्यान**		50	50	100
• **अनुसंधानपरक विषय (**Research Methodology**)**									
9.	HS-9	**शोध–प्रविधि : सिद्धांत और स्वरूप**	4	60	**व्याख्यान**		50	50	100

* HS : **हिंदी साहित्य**

एम.ए. : हिंदी (साहित्य)
द्वितीय अयन
Level : 6.0

अनु. क्र.	प्रश्नपत्र संख्या	प्रश्नपत्र शीर्षक	श्रेयांक	कुल तासिकाएँ	अध्यापन	क्षेत्रीय कार्य	अंतर्गत मूल्यांकन	अयनांत परीक्षा	कुल अंक
• अनिवार्य विषय (Major core Mandatory)									
10.	HS-10	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4	60	व्याख्यान		50	50	100
11.	HS-11	शैली विज्ञान	4	60	व्याख्यान		50	50	100
12.	HS-12	आधुनिक कथा साहित्य (उपन्यास, कहानी)	4	60	व्याख्यान		50	50	100
13.	HS-13	विशेष रचनाकार : श्यौराज सिंह 'बेचैन'	2	30	व्याख्यान		25	25	50
• वैकल्पिक विषय (Major Elective -ny one)									
14.	HS-14	टेलीविज़न पत्रकारिता	4	60	व्याख्यान	क्षेत्रीय कार्य	50	50	100
15.	HS-15	प्रादेशिक साहित्य (मराठी)	4	60	व्याख्यान		50	50	100
16.	HS-16	कथेतर साहित्य (आत्मकथा, निबंध, संस्मरण)	4	60	व्याख्यान		50	50	100
17.	HS-17	हिंदी भाषा और साहित्य को महाराष्ट्र का प्रदेय	4	60	व्याख्यान		50	50	100
• अंत:कार्य प्रशिक्षण (On Job Training)									
18.	HS-18	अंत:कार्य प्रशिक्षण	4	60	अंत : कार्य प्रशिक्षण		50	50	100

एम.ए. : हिंदी (साहित्य) द्वितीय वर्ष
तृतीय अयन
Level : 6.5

* Exit Option : PG Diploma (44 Credits) after Three Year UG DEgree

अनु. क्र.	प्रश्नपत्र संख्या	प्रश्नपत्र शीर्षक	श्रेयांक	कुल तासिकाएँ	अध्यापन	क्षेत्रीय कार्य	अंतर्गत मूल्यांकन	अयनांत परीक्षा	कुल अंक
• अनिवार्य विषय (Major core Mandatory)									
19.	HS-19	हिंदी कविता	4	60	व्याख्यान		50	50	100
20.	HS-20	भारतीय काव्यशास्त्र	4	60	व्याख्यान		50	50	100
21.	HS-21	अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार	4	60	व्याख्यान	क्षेत्रीय कार्य	50	50	100
22.	HS-22	विशेष रचनाकार : गीतांजलि श्री	2	30	व्याख्यान		25	25	50
• वैकल्पिक विषय (Major Elective Any one)									
23.	HS-23	विज्ञान कथा साहित्य	4	60	व्याख्यान		50	50	100
24.	HS-24	सोशल मीडिया और हिंदी	4	60	व्याख्यान	क्षेत्रीय कार्य	50	50	100
25.	HS-25	हिंदी साहित्य और सिनेमा	4	60	व्याख्यान	क्षेत्रीय कार्य	50	50	100
26.	HS-26	हिंदी व्यंग्य साहित्य	4	60	व्याख्यान		50	50	100
• अनुसंधानपरक विषय (Research Methodology)									
27.	HS-27	लघुशोध प्रबंध (I)	4	60	प्रबंध लेखन		50		
					पीपीटी		20		100
					मौखिकी		30		

एम.ए. : हिंदी (साहित्य) द्वितीय वर्ष
चतुर्थ अयन
Level : 6.5

अनु. क्र.	प्रश्नपत्र संख्या	प्रश्नपत्र शीर्षक	श्रेयांक	कुल तासिकाएँ	अध्यापन	क्षेत्रीय कार्य	अंतर्गत मूल्यांकन	अयनांत परीक्षा	कुल अंक
• अनिवार्य विषय (Major core Mandatory)									
28.	HS-28	भारतीय साहित्य	4	60	व्याख्यान		50	50	100
29.	HS-29	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	60	व्याख्यान		50	50	100
30.	HS-30	स्त्री विमर्श	4	60	व्याख्यान		50	50	100
• वैकल्पिक विषय (Major Elective Any One)									
31.	HS-31	हिंदी आलोचना	4	60	व्याख्यान		50	50	100
32.	HS-32	सौंदर्यशास्त्र	4	60	व्याख्यान		50	50	100
33.	HS-33	वैश्विक साहित्य	4	60	व्याख्यान		50	50	100
34.	HS-34	हिंदी साहित्य और पर्यावरण	4	60	व्याख्यान		50	50	100
• प्रबंध–लेखन (Research Project)									
35.	HS-35	प्रबंध–लेखन : (शोध परियोजना–II)	6	90	प्रबंध–लेखन		100		
					पीपीटी		20		150
					मौखिकी		30		

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
प्रथम अयन
Level : 6.0

HS- 1 हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. हिंदी साहित्येतिहास लेखन का परिचय देना।
2. हिंदी साहित्येतिहास के काल विभाजन तथा नामकरण से अवगत कराना।
3. आदिकालीन, भक्तिकालीन, तथा रीतिकालीन प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों, रचनाकारों से परिचित कराना।
4. आदिकाल तथा भक्तिकाल के काव्य सौंदर्य से परिचित कराना।
5. रीतिकाल की भिन्न काव्यधाराओं से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यक्रम :

इकाई– I साहित्येतिहास लेखन की परंपरा

हिंदी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा, और पद्धतियाँ, आधारभूत सामग्री और हिंदी साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।

हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, सीमा–निर्धारण और नामकरण।

इकाई– II हिंदी साहित्य का आदिकाल :

आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य, लौकिक साहित्य। आदिकाल की विशेषताएँ एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।

इकाई– III पूर्वमध्यकाल :

भक्ति– आंदोलन के उदय के सामाजिक, सांस्कृतिक तथा राजनीतिक कारण, भक्ति काव्य के प्रमुख संप्रदाय, विभिन्न काव्यधाराएँ (निर्गुण, सगुण, संप्रदाय निरपेक्ष, नीति साहित्य) तथा उनकी विशेषताएँ।

इकाई– IV उत्तर मध्यकाल :

रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रंथों की परंपरा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त), रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. **प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र हिंदी साहित्येतिहास से परिचित होंगे।**
2. **साहित्येतिहास की लेखन परंपरा तथा पुनर्लेखन की समस्याओं से अवगत होंगे।**
3. **प्राचीन तथा मध्यकालीन काव्य का परिचय होगा।**
4. **मध्ययुगीन विभिन्न संप्रदायों का परिचय होगा।**
5. **मध्ययुगीन काव्य सौंदर्य से अवगत होंगे।**

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

अयनांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. **हिंदी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल**
2. **हिंदी साहित्य की भूमिका – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी**
3. **हिंदी साहित्य का आदिकाल – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी**
4. **हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त**
5. **हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा**
6. **हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी**
7. **हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेंद्र**
8. **हिंदी साहित्य का अतीत – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र**
9. **हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह**
10. **हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. माधव सोनटक्के**
11. **हिंदी साहित्य का आधा इतिहास – सुमन राजे**

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
प्रथम अयन
Level : 6.0

HS-2 भाषा तथा भाषा विज्ञान **श्रेयांक–4**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. भाषा विज्ञान के स्वरूप, व्याप्ति और अध्ययन की दिशाओं का परिचय देना।
2. भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक अनुप्रयोगात्मक पक्ष से अवगत कराना।
3. साहित्य–अध्ययन में भाषा विज्ञान की उपयोगिता से परिचित कराना।
4. भाषा विज्ञान की अवधारणा से अवगत कराना।
5. भाषा विज्ञान की विविध इकाइयों से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यक्रम :

इकाई– I भाषा विज्ञान : परिभाषा, स्वरूप और व्याप्ति, भाषा विज्ञान के अध्ययन की दिशाएँ

भाषा विज्ञान के भेद– वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक और अनुप्रयुक्त।

समाजभाषा विज्ञान का सामान्य परिचय।

इकाई– II स्वनिम विज्ञान : स्वन की परिभाषा, वागावयव और कार्य, स्वन वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिम परिवर्तन, स्वनिम की परिभाषा, स्वरूप और विश्लेषण।

इकाई–III रूपिम विज्ञान : रूप प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की परिभाषा, रूपिम के भेद और प्रकार्य।

पदबंध और उपवाक्य : पदबंध का स्वरूप, पदबंध के भेद, उपवाक्य का स्वरूप, उपवाक्य के भेद।

इकाई– IV वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा और स्वरूप, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण।

अर्थ विज्ञान : अर्थ की परिभाषा और स्वरूप, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ और कारण।

साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगों की उपयोगिता

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र भाषा विज्ञान की अवधारणा से अवगत होंगे।
2. भाषा विज्ञान के स्वरूप एवं व्याप्ति का परिचय होगा।
3. भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियों से अवगत होंगे।
4. छात्र वागावयव तथा उसके कार्य से परिचित होंगे।
5. भाषा विज्ञान की अवधारणा तथा प्रमुख भाषावैज्ञानिकों के सिद्धांतों का परिचय प्राप्त करेंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

अयनांत परीक्षा : 50

कुल अंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा
2. सांस्कृतिक भाषा विज्ञान – डॉ. रामानंद तिवारी
3. भाषा विज्ञान – सं. डॉ. राजमल बोरा
4. भाषा शास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा – डॉ. देवेंद्रकुमार शास्त्री
5. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
6. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
7. हिंदी भाषा संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
8. आधुनिक भाषाविज्ञान – डॉ. कृपाशंकर सिंह, डॉ. चतुर्भुज सहाय
9. भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख
10. भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
प्रथम अयन
Level : 6.0

HS-3 प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य **श्रेयांक–4**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. हिंदी की प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य प्रवृत्तियों का परिचय देना।
2. प्राचीन काव्य प्रवृत्तियों की पृष्ठभूमि में कवि विशेष की रचनाओं का परिचय कराना।
3. मध्ययुगीन काव्यबोध के सौंदर्य से अवगत कराना।
4. तत्कालीन काव्य–भाषा की प्रवृत्तियों का परिचय देना।
5. पाठ्य–कृतियों के आधार पर काव्य–मूल्यांकन की क्षमता का विकास कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यविषय :

इकाई – I प्राचीन काव्य : (पृथ्वीराज रासो, अमीर खुसरो)

पृथ्वीराज रासो– रेवा तट

अमीर खुसरो– पहेलियाँ : क्र. 43, 45, 46, 52, 53
मुकरियाँ : क्र. 03, 16, 20, 26, 38

अमीर खुसरो– सं. भोलानाथ तिवारी

काव्यगत सौंदर्य विश्लेषण, आलोचनात्मक मूल्यांकन

इकाई – II पूर्वमध्यकालीन काव्य– (कबीर, जायसी)

कबीर :

1) गुरू गोविंद दोऊ खडे काकै लागौं पाय।
2) मो कों कहाँ ढूँढे बन्दे, मैं तो तेरे पास में।
3) कस्तूरी कुंडल बसें मृग ढूँढे बन मांहि।
4) ऐसी बाणी बोलिए, मन का आपा खोई।
5) कबीर माया मोह की, भई अंधारी लोई।

कबीर ग्रंथावली– सं. श्याम सुंदरदास

जायसी :

पदमावत् (नागमती वियोग वर्णन खंड) केवल पाँच पद

1. नागमती चितउर पथ हेरा
2. पिउ बियोग अस बाउर जीऊ
3. पाट महादेइ! हिये न हारू
4. चढा असाढ, गगन घन गाजा
5. सावन बरस मेह अति पानी

इकाई – III पूर्वमध्यकालीन काव्य :

रामचरित मानस : तुलसीदास (उत्तरकांड) केवल पाँच दोहा/छंद

रामचरित मानस (उत्तरकांड) केवल पाँच दोहा/छंद

1. रहा एक दिन अवधि कर...(दोहा)
2. राम बिरह सागर महँ... (दोहा–क,ख)
3. हरषित गुर परिजन अनुज... (दोहा–क,ख,ग)
4. आवत देखि लोग सब...(दोहा–क,ख)
5. राजीव लोचन स्त्रवत जल... (छंद 1,2)

रामचरित मानस तुलसीदास

मीराबाई :

1) राग हमीर : हरि मोरे जीवन प्राण अधार
2) राग धानी : पद मैं गिरधर रंग रीत, सैयाँ मैं
3) राग हमीर : कोई कछू कहे मन लागा
4) राग सोहनी : मैं जाण्यो नाही प्रभु को मिलण कैसे होइरी
5) राग खम्याच : मीराँ मगन भई हरि के गुण गाय

मीराबाई की पदावली परशुराम चतुर्वेदी

इकाई – IV उत्तर मध्यकालीन काव्य (घनानंद)

घनानंद :

1. प्रीत्तम सुजान मेरे हित के निधान कहौ
2. आँखें जैन देखें तो कहा हैं कछु देखति ने
3. चातिक चुहल चहन्नँ ओर चाहै स्वाति ही कों
4. दसन बसन ओलो भरियै रहै गुलाल
5. अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयापन बाँक नहीं।

घनानंद– कवित्त– सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. **प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।**
2. **छात्रों को प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य रचनाओं का आकलन होगा।**
3. **छात्र मध्ययुगीन काव्यबोध, काव्य सौंदर्य, भाषा आदि से परिचित होंगे।**
4. **प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्यशैली तथा आशय का आकलन होगा।**
5. **प्राचीन एवं मध्ययुगीन कवियों के साहित्यिक योगदान से अवगत होंगे।**

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन: 50

अयनांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. **संदेश रासक – सं. हजारीप्रसाद द्विवेदी, विश्वनाथ त्रिपाठी**
2. **कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी**
3. **जायसी ग्रंथावली – सं. रामचंद्र शुक्ल**
4. **संक्षिप्त सूरसारगर – सं. डॉ. प्रेमनारायण टंडन**
5. **मीराबाई की पदावली – सं. परशुराम चतुर्वेदी**
6. **महाकवि भूषण – भगीरथ प्रसाद दीक्षित**
7. **घनानंद कवित्त – सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र**
8. **अमीर खुसरो और उनका हिंदी साहित्य – डॉ. भोलानाथ तिवारी**
9. **पृथ्वीराज रासो – डॉ. नामवर सिंह**
10. **साहित्य और मानवीय संवेदना – डॉ. सदानंद भोसले**

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
प्रथम अयन
Level : 6.0

H-4 विशेष रचनाकार : शिवमूर्ति **श्रेयांक–2**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. सर्वहारा वर्ग के जीवन यथार्थ से परिचित कराना ।
2. किसानों के सामाजिक एवं सास्कृतिक परिवेश से अवगत कराना।
3. स्वतंत्रतापूर्व व स्वातंत्र्योत्तर किसानों के संघर्ष और चुनौतियों पर विचार–विमर्श कराना ।
4. किसानों के आर्थिक एवं धार्मिक स्थिति से अवगत कराना।
5. 'आखिरी छलाँग' उपन्यास का भावगत तथा शिल्पगत आकलन कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यविषय :

इकाई –I भूमंडलीकरण और भारतीय किसान जीवन :

1. किसान केंद्रित उपन्यास रचना–प्रक्रिया और उद्देश्य
2. इक्कीसवीं सदी की कृषि नीतियाँ, समस्याएँ और किसान आंदोलन
3. सरकारी एवं गैर–सरकारी नीतियाँ और किसान प्रश्न
4. प्राकृतिक आपदा और भारतीय किसान

इकाई – II उपन्यास : आखिरी छलाँग – शिवमूर्ति

I. शिवमूर्ति का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

1. जीवन परिचय एवं व्यक्तित्व की विशेषताएँ
2. सर्वहारा वर्ग के प्रश्न और शिवमूर्ति
3. लेखकीय प्रतिबद्धता और शिवमूर्ति

II. शिवमूर्ति का उपन्यास 'आखिरी छलाँग'

1. **किसान एवं खेतिहर मज़दूरों के जीवन का यथार्थ**
2. **भारतीय समाज एवं ग्राम्य चेतना**
3. **अशिक्षा, गरीबी, भुखमरी अंधविश्वास और किसानों की आत्महत्या**
4. **जमींदारी प्रथा, ऋणग्रस्तता और किसान शोषण**
5. **सत्ता, समाज और न्याय व्यवस्था का किसान के प्रति दृष्टिकोण**

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. **वर्तमान ग्रामीण परिवेश के कथाकार के रूप में शिवमूर्ति जी का जीवन तथा साहित्यिक परिचय छात्र प्राप्त करेंगे।**
2. **शिवमूर्ति के साहित्य में अभिव्यक्त सामाजिक–सांस्कृतिक परिवेश का आकलन होगा।**
3. **शिवमूर्ति का उपन्यास 'आखिरी छलाँग' का समाजशास्त्रीय आकलन छात्र करेंगे।**
4. **उपन्यास में अभिव्यक्त विभिन्न ग्रामीण समस्याओं से परिचित होंगे।**
5. **किसान एवं खेतिहर समाज व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं से अवगत होंगे।**

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 25

अयनांत परीक्षा : 25

कुलअंक : 50

संदर्भ ग्रंथ

1. **मेरे साक्षात्कार – शिवमूर्ति**
2. **सृजन का रसायन – शिवमूर्ति**
3. **भारतीय ग्राम : संस्थानिक परिवर्तन और आर्थिक विकास– पूरणचंद्र जोशी**
4. **हिंदी उपन्यासों में सामंतवाद–कमला गुप्ता**
5. **हिंदी उपन्यास और यथार्थवाद–त्रिभुवन सिंह**
6. **उत्तरशती के उपन्यासों में नगरेत्तर जीवन – डॉ. ईश्वर पवार**

7. **स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास साहित्य की समाजशास्त्रीय पृष्ठभूमि – डॉ. स्वर्णलता**
8. **अवध का किसान विद्रोह–सुभाष चंद्र कुशवाह**
9. **किसान आत्महत्या : यथार्थ और विकल्प–संजय नवले (संपा)**
10. **हिंदी साहित्य में किसान सपने, संघर्ष, चुनौतियाँ और** 21 **वीं सदी–राम किंकर पांडेय**

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
प्रथम अयन
Level : 6.0

HS-5 हिंदी नाटक और रंगमंच (वैकल्पिक) **श्रेयांक–4**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. नाटक के स्वरूप एवं संरचना से परिचय कराना।
2. नाटक के रचनाविधान और रंगमंच से परिचय कराना।
3. हिंदी नाटक और रंगमंच के विकास से परिचित कराना।
4. नाट्यास्वादन और मूल्यांकन की दृष्टि से अवगत कराना।
5. नाट्यकला से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● क्षेत्रीय कार्य

पाठ्यविषय :

इकाई– I नाटक : परंपरा और विकास, नाटक और रंगमंच, परिभाषा, स्वरूप एवं संरचना
नाटक की भारतीय परंपरा, नाटक की पाश्चात्य परंपरा, पारसी थिएटर।

इकाई– II हिंदी रंगमंच :
हिंदी रंगमंच का विकासक्रम, हिंदी रंगमंच के विकास में अनूदित नाटकों की भूमिका, रंगमंच की विभिन्न शैलियाँ, रंगभाषा, महाराष्ट्र की नाट्य परंपरा।

इकाई–III निर्धारित नाटक :
भारत–दुर्दशा–भारतेंदु हरिश्चंद्र
कथ्यगत अध्ययन, रंगमंचीय अध्ययन, तात्विक मूल्यांकन, समीक्षात्मक अध्ययन

इकाई– IV निर्धारित नाटक :
आषाढ़ का एक दिन– मोहन राकेश
कथ्यगत अध्ययन, रंगमंचीय अध्ययन, तात्विक मूल्यांकन, समीक्षात्मक अध्ययन

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र नाट्यकला से परिचित होंगे।
2. हिंदी नाटक की परंपरा का परिचय होगा।
3. छात्र रंगमंच, अभिनय, निर्देशन, नाट्य लेखन कौशल को आत्मसात करेंगे।
4. नाटक और सिनेमा के अंतर को समझ पाएंगे।
5. नाट्य आस्वादन की दृष्टि को विकसित करेंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

अयनांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. नाटक और रंगमंच – सं. गिरिश रस्तोगी
2. रंग दर्शन – नेमिचंद्र जैन
3. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास – दशरथ ओझा
4. हिंदी नाटक – बच्चन सिंह
5. रंगभाषा – नेमिचंद जैन
6. पारसी थियेटर उद्भव और विकास – सोमनाथ गुप्त
7. रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र – देवेंद्रराज अंकुर
8. बीसवीं शताब्दी का रंगकर्म – डॉ. लवकुमार
9. नाट्यालोचन – डॉ. माधव सोनटक्के
10. हिंदी नाट्य विमर्श – सं. प्रो. सदानंद भोसले

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
प्रथम अयन
Level : 6.0

HS-6 विज्ञापन लेखन और हिंदी (वैकल्पिक) **श्रेयांक–4**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. विज्ञापन के स्वरूप और महत्त्व का परिचय देना।
2. विज्ञापन के भाषिक पक्ष से अवगत कराना।
3. विज्ञापन–लेखन प्रविधि से परिचित कराना।
4. विज्ञापन संपादन, निर्देशन कला से अवगत कराना।
5. विज्ञापनों में हिंदी की भूमिका से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यविषय :

इकाई– I विज्ञापन : संकल्पना, स्वरूप एवं महत्त्व, विज्ञापन का उद्‌भव एवं विकास
विज्ञापन के विविध प्रकार, विज्ञापन और भाषा का अंत:संबंध,
विज्ञापन और मनोविज्ञान

इकाई– II मुद्रित और इलैक्ट्रॉनिक माध्यमों में विज्ञापनों का स्वरूप, विज्ञापन के भेद
विज्ञापन और व्यवसाय, विज्ञापन और उपभोक्ता।

इकाई– III विज्ञापन का भाषिक पक्ष और उपभोक्तावाद
विज्ञापन का श्रोता, पाठक और प्रेक्षक पर प्रभाव
विज्ञापन लेखन : भाषा–शिल्प एवं प्रविधि।

इकाई– IV विज्ञापन लेखन की प्रक्रिया, संपादन, निर्देशन एवं प्रस्तुति, विज्ञापन ले–आऊट,
विज्ञापन कॉपी, विज्ञापन की विभिन्न एजंसियां।
विज्ञापन कानून एवं आचार–संहिता।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र विज्ञापन की संकल्पना एवं उसके महत्त्व से अवगत होंगे।
2. विज्ञापन के आरंभ और विकास का परिचय होगा।
3. विज्ञापन के प्रकारों से अवगत होंगे।
4. व्यवसाय वृद्धि में विज्ञापन के योगदान को समझेंगे।
5. विज्ञापन लेखन प्रक्रिया तथा विज्ञापन और भाषा के अंत:संबंध से परिचित होंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

अयनांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यवहार – डॉ. चंद्रप्रकाश
2. मीडिया लेखन – सं. रमेश त्रिपाठी, अग्रवाल
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. माधव सोनटक्के
4. जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन – विजय कुलश्रेष्ठ
5. डिजिटल युग में विज्ञापन – सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी
6. विज्ञापन की दुनिया – कुमुद शर्मा
7. विज्ञापन भाषा – रेखा सेठी
8. विज्ञापन–विज्ञान और उसका प्रयोग – कन्हैयालाल शर्मा
9. हिंदी विज्ञापनों का पहला दौर – आशुतोष पार्थेश्वर
10. विज्ञापन बाज़ार और हिंदी – कैलाशनाथ पाण्डेय
11. विज्ञापन तकनीक एवं सिद्धांत – नरेंद्रसिंह यादव
12. विक्रय एवं विज्ञापन– डॉ. एस. सी. जैन, डॉ. नीरजकुमार सिंह

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
प्रथम अयन
Level : 6.0

HS-7 हिंदी गीत और गज़ल (वैकल्पिक) **श्रेयांक–4**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. छात्रों की गीत और गज़ल की सर्जनात्मक क्षमता विकसित कराना।
2. गीत और ग़ज़ल के महत्त्व को समझाना।
3. गीत एवं ग़ज़ल की परंपरा से परिचित कराना।
4. गीत और ग़ज़ल में मौजूद प्रतिरोध के स्वरों से अवगत कराना।
5. हिंदी गीत और ग़ज़ल लेखन कौशल से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● मंचीय प्रस्तुति

पाठ्यविषय :

इकाई – I गीत एवं ग़ज़ल – अर्थ, आशय एवं अवधारणा
हिंदी गीत – गजल लेखन की परंपरा
गीत एवं ग़ज़ल की रचना प्रक्रिया और आलोचना
गीत एवं गजल की प्रमुख विशेषताएँ, समानता–असमानता

इकाई – II गीत **फ़ैज़ अहमद फ़ैज़ :**

1. बोल कि लब आज़ाद हैं तेरे
2. मुझसे पहली सी मोहब्बत मेरे महबूब न माँग

गुलज़ार :

1. तुझसे नाराज़ नहीं जिंदगी
2. आनेवाला पल जानेवाला है

साहिर लुधियानवी :

1. जिन्हें नाज़ है हिंद पर
2. जुर्म ए उल्फ़त पे हमें लोग सज़ा देते हैं

इकाई– III ग़ज़ल **दुष्यंत कुमार :**

1. **वो आदमी नहीं है मुकम्मल बयान है**
2. **कैसे मंज़र सामने आने लगे हैं**

नीरज :

1. **अब तो मज़हब कोई ऐसा चलाया जाए**
2. **जबतलक ज़िंदा कलम है हम तुम्हें मरने न देंगे**

आदम गोंडवीं :

1. **तुम्हारी फाइलों में गाँव का मौसम गुलाबी है**
2. **एक पहेली – सी ये दुनिया, गल्प भी है, इतिहास भी है**

इकाई– IV **अशोक चक्रधर :**

1. **राष्ट्रीय भ्रष्टाचार महोत्सव**
2. **नेता जी लगे मुस्कराने**
3. **लाश में अटकी आत्मा**

काका हाथरसी :

1. **पत्रकार दादा बने, देखो उनके ठाठ**
2. **हिंदी की दुर्दशा**
3. **नाम बडे दर्शन छोटे**

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. **प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र हिंदी गीत और ग़ज़ल के स्वरूप से परिचित होंगे।**
2. **हिंदी गीत और ग़ज़ल लेखन परंपरा से अवगत होंगे।**
3. **हिंदी के प्रमुख गीत और ग़ज़लकारों का जीवन तथा साहित्यिक परिचय प्राप्त करेंगे।**
4. **गीत और गज़ल के भाव सौंदर्य को आत्मसात करेंगे।**
5. **हिंदी कविता में गीत एवं गज़ल के महत्व से अवगत होंगे।**

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

अयनांत परीक्षा : 50

कुल अंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. **हिंदी ग़ज़ल गजलकारों की नज़र में – सरदार मुजावर**
2. **हिंदी ग़ज़ल का वर्तमान दशक–सरदार मुजावर**
3. **हिंदी ग़ज़ल दशा और दिशा–नरेश**
4. **हिंदी ग़ज़ल की विकास यात्रा– ज्ञान प्रकाश विवेक**
5. **हिंदी कवि–सम्मेलन और मंचीय कवियों का साहित्यिक योगदान– विशेषलक्ष्मी**
6. **समय का पहिया – गोरख पांडयेय**
7. **आज के प्रसिद्ध शायर बशीर बद्र – कन्हैयालाल नंदन**
8. **हिंदुस्तानी ग़ज़लें– सं. कमलेश्वर**
9. **हिंदी ग़ज़ल का आत्म संघर्ष– सुशील कुमार**
10. **श्रेष्ठ हिंदी गीत संचयन– कन्हैयालाल नंदन**

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
प्रथम अयन
Level : 6.0

HS-8 हिंदी साहित्य और भारतीय संस्कृति (वैकल्पिक) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. छात्रों को भारतीय संस्कृति का परिचय देना।
2. भारतीय संस्कृति की परंपरा की समझ विकसित कराना।
3. संस्कृति, समाज और साहित्य के संबंधों को गहनता से समझाना।
4. भारतीय दर्शन के विभिन्न विचारों का अध्ययन कराना।
5. भारतीय संस्कृति के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यविषय :

इकाई– I भारतीय संस्कृति का संक्षिप्त परिचय
भारतीय संस्कृति का आर्थिक–सामाजिक–राजनैतिक विकास

इकाई– II मध्यकाल में भारतीय संस्कृति
रामानुजाचार्य, बल्लभाचार्य, निंबार्काचार्य, मध्वाचार्य के दर्शन का साहित्य पर प्रभाव (संक्षिप्त परिचय)
भक्तिकाल व रीतिकाल के कवियों में प्रतिबिंबित भारतीय संस्कृति की छवि, तुलसी, सूर, जायसी। कबीरदास आदि कवियों के विशेष संदर्भ में

इकाई–III आधुनिककाल में भारतीय संस्कृति
भूमंडलीकरण व भारतीय संस्कृति
संस्कृति और साहित्य में परस्पर संबंध
विभिन्न आधुनिक विचारधाराएँ

इकाई– IV समकालीन साहित्य में प्रतिबिंबित भारतीय संस्कृति
निबंध– अशोक के फूल (हजारीप्रसाद द्विवेदी), गूलर के फूल (कुबेरनाथ राय)
कविता– भारत भारती (अतीत खंड) मैथिलीशरण गुप्त
कहानी– हार की जीत (सुदर्शन), पिता (ज्ञानरंजन)

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. छात्र भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को समझेंगे।
2. साहित्य और संस्कृति के अंत:संबंधों से अवगत होंगे।
3. भारतीय संस्कृति को प्रभावित करनेवाले दर्शन को आत्मसात करेंगे।
4. विभिन्न कवि/विचारकों की रचनाओं और विचारधाराओं का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
5. प्राचीन भारतीय संस्कृति और सामाजिक एकता के भाव विकसित होंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

अयनांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. संस्कृति के चार अध्याय –रामधारी सिंह 'दिनकर'
2. साहित्य, संस्कृति और भाषा – ऋषभदेव शर्मा
3. साहित्य और संस्कृति – रामविलास शर्मा
4. जायसी – विजयदेव नारायण साही
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
6. भारतीय दर्शन – डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन
7. भारतीय संस्कृति – साने गुरुजी
8. भारतीय संस्कृति – सं. दामोदर मिश्र
9. भारतीय संस्कृति का इतिहास – डॉ. सुशीला सिंह
10. भारतीय संस्कृति का समग्र इतिहास – श्री व्रजवल्लभ द्विवेदी

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
प्रथम अयन
Level : 6.0

HS-9 शोध–प्रविधि : सिद्धांत और स्वरूप श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. छात्रों को शोध–प्रविधि से अवगत कराना।
2. छात्रों की शोध दृष्टि विकसित कराना।
3. छात्रों को शोध प्रक्रिया और शोध प्रबंध से अवगत कराना।
4. शोध प्रबंध लेखन कौशल विकसित कराना।
5. शोध का महत्त्व तथा उपयोगिता प्रतिपादित करना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यविषय :

इकाई– I शोध की अवधारणा, स्वरूप, परिभाषाएँ तथा शोध के लिए प्रयक्त विभिन्न शब्द एवं उनका औचित्य।
शोध के उद्देश्य, शोध के लिए विषय चयन की प्रक्रिया।
शोध विषय निश्चिति तथा शोध का प्रारूप निर्माण।
वस्तुनिष्ठ, तर्कसंगति, प्रमाणबद्धता

इकाई– II शोध के प्रकार– वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, सर्वेक्षणात्मक, अंतर्विद्याशाखीय
साहित्यिक तथा साहित्येतर शोध में समानता–असमानता, शोध प्रक्रिया के विभिन्न चरण।

इकाई–III शोध के लिए सामग्री संकलन स्रोत, शोध और आलोचना, शोधकर्ता एवं शोध निर्देशक में समन्वय, शोधकार्य और समय प्रबंधन, संपन्न शोध–कार्य की शैक्षिक–सामाजिक उपादेयता।

इकाई– IV शोध–प्रबंध लेखन प्रणाली :

शोध प्रबंध, शीर्षक निर्धारण, रूपरेखा, भूमिका लेखन, अध्याय विभाजन, संदर्भ उल्लेख, सहायक ग्रंथ सूची, परिशिष्ट, वर्तनी सुधार।

शोधालेख लेखन, पुस्तक समीक्षा आदि।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र शोध का महत्त्व एवं उपयोगिता से अवगत होंगे।
2. छात्रों को शोध–प्रक्रिया का आकलन होगा।
3. शोध की भिन्न पद्धतियों से परिचित होंगे।
4. शोध की सामाजिक, शैक्षिक उपयोगिता को आत्मसात करेंगे।
5. शोध प्रबंध लेखन कौशल को आत्मसात करेंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन

आंतरिक मूल्यांकन : 50

अयनांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. शोधतंत्र और सिद्धांत – शैलकुमारी
2. शोध प्रविधि – डॉ. विनयमोहन शर्मा
3. अनुसंधान की प्रक्रिया – डॉ. सावित्री सिन्हा, डॉ. विजयेंद्र स्नातक
4. अनुसंधान प्रविधि – सुरेशचंद्र निर्मल
5. अनुसंधान के तत्व – विश्वनाथप्रसाद मिश्र
6. शोधतंत्र और सिद्धांत – शैलकुमारी
7. अनुसंधान और आलोचना – डॉ. नगेंद्र
8. अनुसंधान का स्वरूप – सं. डॉ. सावित्री सिन्हा
9. अनुसंधान प्रविधि : सिद्धांत और प्रयोग – कपिल मिश्र
10. अनुसंधान की प्रविधि एवं प्रक्रिया – डॉ. राजेंद्र मिश्र

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

HS-10 हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. हिंदी गद्य के अविभाव के प्रमुख कारणों एवं परिस्थितियों का परिचय देना।
2. आधुनिक गद्य की विषयवस्तु, भाषाशैली आदि प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
3. आधुनिक हिंदी गद्य के प्रमुख गद्यकारों तथा गद्य विधाओं के विकासक्रम से अवगत कराना।
4. आधुनिक हिंदी कविता के प्रमुख चरणों की प्रवृत्तियों तथा उपलब्धियों से परिचित कराना।
5. आधुनिक गद्य साहित्य की प्रमुख विधाएँ–उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध आदि से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यविषय :

इकाई– I हिंदी गद्य के आविर्भाव के लिए प्रेरक परिस्थितियाँ : सन् 1857 की राज्यक्रांति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेंदु पूर्व काल के हिंदी गद्य का सामान्य परिचय, प्रमुख गद्यकार, फोर्ट विलियम कॉलेज, ईसाई मिशनरी, आर्य समाज, ब्राम्हो समाज आदि का योगदान, भारतेंदु युगीन गद्य का सामान्य परिचय, द्विवेदी युगीन साहित्य का सामान्य परिचय।

इकाई– II हिंदी उपन्यास साहित्य का विकास : प्रेमचंद पूर्व युग, प्रेमचंद युग, प्रेमचंदोत्तर युग, स्वातंत्र्योत्तर उपन्यास साहित्य। संबंधित युग के उपन्यास साहित्य की कथ्यगत एवं शिल्पगत प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय।

हिंदी कहानी साहित्य का विकास : प्रेमचंद पूर्व युग, प्रेमचंद युग, प्रेमचंदोत्तर युग, स्वातंत्र्योत्तर कहानी साहित्य। संबंधित युग के कहानी साहित्य का कथ्यगत एवं शिल्पगत प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय।

इकाई– III हिंदी नाटक और रंगमंच का उद्‌भव और विकास : भारतेंदु पूर्व युग, भारतेंदु युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग, स्वातंत्र्योत्तर नाटक साहित्य : सामान्य परिचय, हिंदी निबंध का उद्‌भव और विकास : भारतेंदु युग, आचार्य रामचंद्र शुक्ल युग, शुक्लोत्तर युग, स्वातंत्र्योत्तर निबंध साहित्य : प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय। हिंदी का अन्य गद्य विधाएँ : एकांकी, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रासाहित्य, आत्मकथा, जीवनी, रिपोर्ताज सामान्य परिचय।

इकाई– IV आधुनिक हिंदी काव्य का विकास : भारतेंदु युगीन कविता की सामान्य प्रवृत्तिया, प्रमुख कवि परिचय।

द्विवेदी युगीन कविता की सामान्य प्रवृत्तियाँ : प्रमुख कवि परिचय, राष्ट्रीय काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं कवि परिचय, छायावादी कविता की सामान्य प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि, छायावादोत्तर कविता के प्रमुख आंदोलन।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् छात्रों को आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य के आविर्भाव का ज्ञान होगा।
2. आधुनिक हिंदी गद्य का स्वरूप एवं प्रवृत्तियों का परिचय होगा।
3. आधुनिक हिंदी गद्य के प्रमुख रचनाकारों की लेखन शैलियों से छात्र अवगत होंगे।
4. आधुनिक हिंदी कविता के विभिन्न आंदोलनों और प्रवृत्तियों से छात्र परिचित होंगे।
5. आधुनिक हिंदी कथेत्तर गद्य विधाओं का आकलन होगा।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

अयनांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. **हिंदी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल**
2. **हिंदी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेंद्र**
3. **हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त**
4. **हिंदी गद्य साहित्य का इतिहास – रामचंद्र तिवारी**
5. **हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी**
6. **हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय**
7. **हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. माधव सोनटक्के**
8. **हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह**
9. **हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियाँ – डॉ. गोविंदराम शर्मा**
10. **हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशनप्रसाद खंडेलवाल**

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

HS-11 शैली विज्ञान **श्रेयांक–4**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों को शैली के स्वरूप का परिचय देना।
2. शैली विज्ञान के स्वरूप से अवगत कराना।
3. शैलीविज्ञान के इतिहास से परिचित कराना।
4. शैली विज्ञान के अनुप्रयोग का परिचय देना।
5. साहित्य और शैली के अंत:संबंध से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यविषय :

इकाई– I शैली का स्वरूप : शैली की प्रकृति, शैली की परिभाषा, भाषा पक्ष में शैली, साहित्य पक्ष में शैली, शैली के उपकरण, शैलीगत उपकरणों का व्यक्तित्व, शैलीगत उपकरणों का अभिज्ञान

इकाई– II शैली विज्ञान का स्वरूप, शैलीविज्ञान के विभिन्न रूप, शैली विज्ञान का लक्ष्य, शैली विज्ञान तथा अन्य विज्ञान: शैली विज्ञान और भाषा विज्ञान, शैली विज्ञान और मनोविज्ञान, शैलीविज्ञान और समाजशास्त्र, शैलीविज्ञान–विज्ञान या कला?

इकाई– III शैली विज्ञान का इतिहास : संस्कृत शैली विज्ञान, पाश्चात्य शैलीविज्ञान, शैलीविज्ञान के अध्ययन की आधुनिक परंपरा, आंग्ल–अमरीकी शैलीविज्ञान, रूसी चेक शैलीविज्ञान, आधुनिक शैलीविज्ञान की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, आधुनिक शैली विज्ञान की शाखाएँ।

इकाई– IV शैली विज्ञान का अनुप्रयोग : शैली विज्ञान अनुप्रयोग के विविध क्षेत्र, अंतर्लक्षी एवं बहिर्लक्षी अनुप्रयोग, कोश निर्माण और शैली विज्ञान, अनुवाद और शैलीविज्ञान, साहित्यिक अनुवाद और शैलीविज्ञान, भाषा और साहित्य के अंतर्गत शैली शिक्षण।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्क्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र शैली की अवधारणा से अवगत होंगे।
2. शैली विज्ञान का स्वरूप तथा उसके उपकरणों से परिचित होंगे।
3. शैली विज्ञान का अन्य क्षेत्रों के साथ के संबंधों से अवगत होंगे।
4. शैली विज्ञान की परंपरा का परिचय होगा।
5. साहित्य में शैली का प्रयोग तथा महत्व से अवगत होंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

अयनांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. शैली विज्ञान – डॉ. नगेंद्र
2. शैली विज्ञान – डॉ. सुरेश कुमार
3. शैली विज्ञान – प्रतिमान और विश्लेषण – डॉ. शशीभूषण शितांशु
4. रीतिविज्ञान – डॉ. विद्यानिवास मिश्र
5. शैली विज्ञान का इतिहास – डॉ. शशिभूषण 'शितांशु'
6. प्रोक्ति – शैली विज्ञान और फंतासी – डॉ. हरदीप कौर
7. संरचनात्मक शैली विज्ञान – डॉ. रविंद्रनाथ श्रीवास्तव
8. शैली और शैलीविज्ञान – डॉ. भगवान तिवारी
9. शैली और शैली विज्ञान – केंद्रिय हिंदी संस्थान, आगरा
10. शैली विज्ञान – भोलानाथ तिवारी

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

HS-12 आधुनिक कथा साहित्य (उपन्यास, कहानी) **श्रेयांक–4**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. आधुनिक हिंदी कथा साहित्य के स्वरूप एवं विशेषाताओं से परिचित कराना।
2. आधुनिक कथा साहित्य में उपन्यास तथा कहानी विधा से अवगत कराना।
3. छात्रों को आधुनिक कथा साहित्य की रचनाओं के माध्यम से समसामयिक समस्याओं से अवगत कराना।
4. सृजनात्मक लेखन कौशल के प्रति छात्रों में रूचि निर्माण कराना।
5. आधुनिक हिंदी उपन्यास तथा कहानी साहित्य के विभिन्न आंदोलनों से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यविषय :

इकाई– I हिंदी उपन्यास का उद्भव और विकास : प्रेमचंद पूर्व उपन्यास साहित्य, प्रेमचंद युगीन उपन्यास साहित्य, प्रेमचंदोत्तर उपन्यास साहित्य, आधुनिक उपन्यास साहित्य की मुख्य प्रवृत्तियाँ

इकाई– II उपन्यास विधा :

राग दरबारी– श्रीलाल शुक्ल

आलोचनात्मक अध्ययन

धरती धन न अपना– जगदीश चंद्र

आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई– III हिंदी कहानी का उद्भव और विकास : प्रेमचंद पूर्व कहानी साहित्य, प्रेमचंद युगीन कहानी साहित्य, प्रेमचंदोत्तर कहानी साहित्य, आधुनिक कहानी की मुख्य प्रवृत्तियाँ

इकाई– IV कहानी विधा

1) **पक्षी और दीमक – मुक्तिबोध**
2) **बाजार में रामधन– कैलाश बनवासी**
3) **पॉल गोमरा का स्कूटर– उदय प्रकाश**
4) **फैसला – मैत्रेयी पुष्पा**
5) **कहाँ जाओगे बाबा?– स्वयंप्रकाश**
6) **हाकिम सराय का आखिरी आदमी– सुभाषचंद्र कुशवाह**

समग्र कहानियों का आलोचनात्मक अध्ययन

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. **प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र आधुनिक हिंदी कथा साहित्य के स्वरूप और संदर्भ से परिचित होंगे।**
2. **आधुनिक हिंदी उपन्यास साहित्य से अवगत होंगे।**
3. **आधुनिक हिंदी कहानी साहित्य तथा कहानी लेखन आंदोलनों का परिचय प्राप्त करेंगे।**
4. **उपन्यास तथा कहानी साहित्य में अभिव्यक्त समकालीन समस्याओं से परिचित होंगे।**
5. **उपन्यास तथा कहानी लेखन के कौशल को आत्मसात करेंगे।**

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

अयनांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. **हिंदी उपन्यास का इतिहास – गोपाल राय**
2. **हिंदी कहानी का इतिहास – गोपाल राय**
3. **कहानी की रचना प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव**
4. **नयी कहानी – संदर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी**

5. **हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश**
6. **कहानी : नयी कहानी – नामवर सिंह**
7. **नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर**
8. **हिंदी कहानी वाया आलोचना – सं. नीरज खरे**
9. **हिंदी कहानी के सौ साल तथा भूमंडलोत्तर कहानी – दिनेश कर्नाटक**
10. **नई कहानी आलोचना – उदय शंकर**

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

HS-13 विशेष रचनाकार– श्यौराज सिंह 'बेचैन' श्रेयांक–2

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. दलित साहित्य और आंदोलन की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय कराना।
2. दलित समाज के अनकहे अनछुहे प्रसंगों से अवगत कराना।
3. श्यौराज सिंह 'बेचैन' के व्यक्तित्व की विशेषताओं से परिचित कराना।
4. श्यौराज सिंह 'बेचैन' के जीवन संघर्ष और लेखकीय दायित्वों से अवगत कराना।
5. दलित साहित्य की मुख्य प्रवृत्तियों से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यविषय :

इकाई– I सामाजिक न्याय की अवधारणा और दलित आत्मकथा

दलित आत्मकथा रचना–प्रक्रिया और उद्देश्य
दलित आत्मकथाओं में स्वानुभूति एवं सहानुभूति का प्रश्न
आत्मकथा लेखन की चुनौतियाँ और दलित प्रश्न

इकाई– II आत्मकथा : मेरा बचपन मेरे कंधों पर

I. श्यौराज सिंह 'बेचैन' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

जीवन परिचय एवं व्यक्तित्व की विशेषताएं
सामाजिक सरोकार और श्यौराज सिंह 'बेचैन'
लेखकीय दायित्व और श्यौराज सिंह 'बेचैन'

II. श्यौराज सिंह 'बेचैन' की आत्मकथा 'मेरा बचपन मेरे कंधों पर' के कुछ अंश :

बेवक्त गुजर गया माली, कौम के ठेकेदार
जीवित बचा स्वराज, यहाँ एक मोची रहता था

पाठ्यक्रम की उपादेयता:

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों को दलित साहित्य की अवधारणा का परिचय होगा।
2. दलित साहित्य की मुख्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।
3. दलित साहित्य के लेखन की सामाजिक पृष्ठभूमि का परिचय होगा।
4. दलित रचनाकार श्यौराजसिंह 'बेचैन' के जीवन तथा साहित्यिक का परिचय होगा।
5. दलित साहित्य की प्रमुख विशेषताओं का परिचय होगा।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन	: 25
अयनांत परीक्षा	: 25
कुलअंक	: 50

संदर्भ ग्रंथ :

1. मेरा बचपन मेरे कंधों पर श्यौराज सिंह 'बेचैन'
2. हाथ तो उग ही आते हैं– श्यौराज सिंह 'बेचैन'
3. भरोसे की बहन– श्यौराज सिंह 'बेचैन'
4. चमार की चाय– श्यौराज सिंह 'बेचैन'
5. नई फसल – श्यौराज सिंह 'बेचैन'
6. बालक श्यौराज : महा शिला खंड का संग्राम – डॉ. धर्मवीर
7. दलित प्रश्न और श्यौराज सिंह का लेखन – कविता यादव
8. हिंदी दलित आत्मकथाओं में बचपन–राजेन्द्र बड़गूजर
9. दलित बचपन वेदना का विस्फोट– नितीन गायकवाड
10. उपन्यास साहित्य में दलित समस्या – श्यौराज सिंह 'बेचैन'

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

HS-14 टेलीविजन पत्रकारिता (वैकल्पिक) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. टेलीविजन पत्रकारिता पाठ्यक्रम के द्वारा छात्रों को नव इलैक्ट्रॉनिक पत्रकारिता से परिचित कराना।
2. मुद्रित पत्रकारिता और टेलीविजन पत्रकारिता की प्रक्रिया से अवगत कराना।
3. टेलीविजन पत्रकारिता के लिए आवश्यक लेखन, प्रस्तुति एवं उपकरण कार्य संचालन से अवगत कराना।
4. टेलीविजन पत्रकार की योग्यता एवं आवश्यक भाषायी ज्ञान से अवगत कराना।
5. टेलीविजन पत्रकारिता का वर्तमान और भविष्य का स्वरूप आदि से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● क्षेत्रीय कार्य

पाठ्यविषय :

इकाई– I टेलीविजन पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास :
भारत में टेलीविजन पत्रकारिता का आरंभ, पत्रकारिता के विकास के विभिन्न चरण, टेलीविजन पत्रकारिता चैनल, आरंभिक टेलीविजन पत्रकारिता का स्वरूप, टेलीविजन पत्रकारिता का अन्य क्षेत्र पर प्रभाव, वर्तमान समय और टेलीविजन पत्रकारिता।

इकाई– II टेलीविजन पत्रकारिता की प्रक्रिया : टेलीविजन पत्रकारिता लेखन, संपादन एवं प्रस्तुति, पत्रकार के लिए आवश्यक योग्यताएँ, टेलीविजन पत्रकारिता प्रशिक्षण केंद्र, टेलीविजन पत्रकारिता और भाषा–प्रस्तुति, टेलीविजन पत्रकारिता के विविध पहलू

इकाई– III टेलीविजन समाचार का संगठनात्मक कार्य :
रिपोर्टर, नेशनल ब्यूरो, आऊट स्टेशन ब्यूरो, मुख्यालय ब्यूरो, विशेष ब्यूरो, एसआईटी, इनपुट प्रमुख, शोधकर्ता, एंकर्स, डेस्क, समाचार समन्वयक, समाचार संपादक, समाचार निर्माता आदि।

इकाई– IV टेलीविजन समाचार निर्माण आऊटपुटः न्यूज डेस्क, बुलेटिन प्रोडयूसर, पैकेज प्रोडयूसर, असिस्टंट प्रोडयूसर, टेलीविजन समाचार तकनीकी तंत्रः न्यूज रूम, आटोमेशन, वोडियो संपादन, स्टूडियो और पीसीआर, वीडियो मॉनीटर रूम, मास्टर नियंत्रण रूम आदि।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र टेलीविजन पत्रकारिता के उद्‌भव और विकास से परिचित होंगे।
2. टेलीविजन पत्रकारिता का स्वरूप एवं प्रक्रिया से अवगत होंगे।
3. टेलीविजन पत्रकारिता के संगठनात्मक कार्य से अवगत होंगे।
4. मुद्रित पत्रकारिता और टेलीविजन पत्रकारिता के अंतर को अनुभव करेंगे।
5. टेलीविजन समाचार की निर्माण प्रक्रिया से अवगत होंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

अयनांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. टेलीविजन पत्रकारिता सिद्धांत एवं तकनीक – डॉ. इंद्रजीत सिंह
2. इलैक्ट्रॉनिक मीडिया – आर्य पी. के.
3. इलैक्ट्रानिक मीडिया – संजीव भानावत
4. भारतीय इलैक्ट्रानिक मीडिया – देववृत सिंह
5. टेलीविजन समाचार – मुस्तफा जेरी
6. एंकर रिर्पोटर – पुण्यप्रसून वाजपेयी
7. नए जनसंचार माध्यम और हिंदी – सुधीश पचौरी
8. टेलीविजन की कहानी – श्याम कश्यप
9. टेलीविजन पत्रकारिता – राकेश कुमार
10. टेलीविजन पत्रकारिता – ओमप्रकाश चौधरी

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

HS-15 प्रादेशिक साहित्य (मराठी) (वैकल्पिक) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम द्वारा छात्रों को प्रादेशिक साहित्य की अवधारणा से परिचित कराना।
2. प्रादेशिक साहित्य (मराठी) के स्वरूप एवं विकास से अवगत कराना।
3. मराठी भाषा की प्रमुख विधाओं से परिचित कराना।
4. मराठी के मुख्य कवि, लेखक तथा समीक्षकों का परिचय कराना।
5. प्रादेशिक साहित्य की मूल विशेषताओं से छात्रों को अवगत कराकर उनकी साहित्य के प्रति जिज्ञासा बढ़ाना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यविषय :

इकाई– I मराठी भाषा का उद्‌भव और विकास, महाराष्ट्र शब्द की उत्पत्ति, यादव कालीन मराठी, बहमनीकालीन मराठी, शिवकालीन मराठी, पेशवेकालीन मराठी, ब्रिटिशकालीन मराठी, स्वातंत्र्योत्तर मराठी, मराठी का वर्तमान।

आधुनिक मराठी उपन्यास का परिचयात्मक अध्ययन, आधुनिक मराठी कहानी का परिचयात्मक अध्ययन

इकाई– II उपन्यास साहित्य :

1. फकिरा – अण्णाभाऊ साठे (अनुवाद– प्रो. वर्षा सहदेव)
2. जोगवा – राजन गवस (अनुवाद– प्रो. गोरख थोरात)

उपन्यासकार का जीवन परिचय, उपन्यास का आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई– III कहानी साहित्य : प्रतिनिधि कहानियाँ : मराठी– डॉ. माधव सोनटक्के (प्रतिनिधि कहानियाँ)

1. प्रेम या पशुवृत्ति– विभावरी शिरूरकर
2. कर्जमुक्ति– रा. रं. बोराडे
3. लाल कीचड– भास्कर चंदनशिव
4. अब मैं पीछे हटूँगी नहीं– रामनाथ चव्हाण
5. प्रकाशवस्त्र– रेखा बैजल (अनुवाद– प्रो. नानासाहेब गोरे)

इकाई– IV कविता साहित्य :

1. हमारे घर, शब्दों का धन और रत्न– संत तुकाराम महाराज
2. तेरी तेरी गति तूंही जानै– संत नामदेव महाराज
3. वेद से पहले तुम थे – बाबूराव बागुल
4. माँ होती है झूले का बल– विश्वाधार देशमुख
5. मैं रोटी कमाता हूँ, तुम गाना बुनती रहना – वीरा राठोड

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र प्रादेशिक भाषा मराठी के उद्भव और विकास का परिचय प्राप्त करेंगे।
2. विभिन्न कालखंडो में मराठी भाषा के स्वरूप से अवगत होंगे।
3. मराठी के उपन्यास फकिरा तथा जोगवा में व्यक्त सामाजिक समस्याओं से परिचित होंगे।
4. मराठी कहानी साहित्य की विषय विविधता का परिचय प्राप्त करेंगे।
5. मराठी कविता के भाव सौंदर्य से अवगत होंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

अयनांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. मराठी साहित्य परिदृश्य– चंद्रकांत बांदिवडेकर
2. प्रादेशिक भाषा और साहित्येतिहास – डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे
3. मराठी साहित्य का इतिहास – प्रो. मीनाक्षी पाटील
4. फकिरा – अण्णाभाऊ साठे (अनुवाद : प्रो. वर्षा सहदेव)
5. जोगवा – राजन गवस (अनुवाद : प्रो. गोरख थोरात)
6. भारतीय साहित्य – डॉ. नगेंद्र
7. मराठी और उसका साहित्य – प्रभाकर माचवे
8. समकालीन मराठी साहित्य : गति–प्रगति– सं. चंद्रकांत पाटील
9. हिंदी मराठी का अनुदित साहित्य – सं. डॉ. माधव सोनटक्के, डॉ. सुधाकर शेंडगे
10. हिंदी साहित्य तथा भाषा को महाराष्ट्र की देन – डॉ. रणजीत जाधव
11. अर्वाचीन मराठी वाङ्मय का इतिहास – डॉ. बी.एल. पाटील

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

HS-16 कथेतर साहित्य (जीवनी, निबंध, संस्मरण) (वैकल्पिक) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के द्वारा छात्रों को कथेतर साहित्य की प्रमुख विशेषताओं से परिचित कराना।
2. कथेतर साहित्य की विधाओं से अवगत कराना।
3. जीवनी, निबंध तथा संस्मरण लेखन कौशल से परिचित कराना।
4. कथेतर रचनाओं में नीहित विचार, नैतिकता, आदर्श आदि का बोध कराना।
5. कथात्मक तथा कथेतर साहित्य के भेद से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यविषय :

इकाई– I कथेतर साहित्य का स्वरूप एवं विशेषताएँ
कथेतर साहित्य की प्रमुख विधाओं का परिचय
कथात्मक और कथेतर साहित्य में साम्य–वैषम्य
कथेत्तर साहित्य में

इकाई– II जीवनी साहित्य :
प्रेमचंद : घर में – शिवरानी देवी प्रेमचंद
प्रस्तुत जीवनी का कथावस्तुगत अध्ययन, आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई– III निबंध साहित्य :

1. क्रोध – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. आचरण की सभ्यता – सरदार पूर्णसिंह
3. नाखून क्यों बढते हैं?– आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. पहला सफेद बाल– हरिशंकर परसाई
5. साहित्य और सौंदर्य – नामवर सिंह

इकाई– IV संस्मरण साहित्य :

1. **प्रणाम– महादेवी वर्मा**
2. **कमलेश्वर– कृष्णा सोबती**
3. **वसंत का अग्रदूत– अज्ञेय**
4. **विपक्ष का कवि : धूमिल– काशिनाथ सिंह**
5. **जे.एन.यू. में नामवर– सुमन केशरी**

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. **प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र कथेतर साहित्य के स्वरूप से परिचित होंगे।**
2. **कथेत्तर साहित्य की प्रमुख विधाओं का परिचय होगा।**
3. **कथेत्तर साहित्य की रचनाओं में व्यक्त विचार, संवदेना, नैतिकता तथा आदर्श से परिचित होंगे।**
4. **कथात्मक तथा कथेत्तर साहित्य के अंतर को समझेंगे।**
5. **कथेत्तर साहित्य के लेखन कौशल से अवगत होंगे।**

पाठ्यक्रम अंक विभाजन

आंतरिक मूल्यांकन : 50

अयनांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. **पथ के साथी– महादेवी वर्मा**
2. **हम हशमत– कृष्णा सोबती**
3. **कथेतर– सं. माधव हाडा**
4. **हिंदी का कथेतर गद्य : परंपरा और प्रयोग– सं. दयानिधि मिश्र**

5. **प्रेमचंद घर में– शिवरानी देवी**
6. **भारतीय निबंध– केंद्रीय हिंदी निदेशालय**
7. **साहित्यिक निबंध– गणपतिचंद्र गुप्त**
8. **हिंदी निबंध– प्रभाकर माचवे**
9. **हिंदी साहित्य का कथेत्तर गद्य – सर्जना – डॉ. सुनील विक्रम सिंह**
10. **कथेत्तर गद्य विधाएँ : विविध विमर्श – डॉ. राहुल भदाणे**

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

HS-17 हिंदी भाषा और साहित्य को महाराष्ट्र का प्रदेय (वैकल्पिक) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के द्वारा छात्रों को हिंदीतर भाषी प्रदेश के रूप में महाराष्ट्र के हिंदी भाषा व साहित्य के योगदान से परिचित कराना।
2. मराठी संत कवि व लेखकों से अवगत कराना।
3. मराठी लेखकों के हिंदी साहित्य में योगदान से छात्रों को परिचित कराना।
4. छात्रों को मराठी अनुवादकों के हिंदी अनुवाद कार्य से परिचित कराना।
5. महाराष्ट्र में सेवारत हिंदी सेवी संस्थाओं का परिचय कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● क्षेत्रीय कार्य

पाठ्यविषय :

इकाई– I महाराष्ट्र के प्रमुख संत कवि और उनका काव्य साहित्य, संत एकनाथ, संत नामदेव, संत तुकाराम, समर्थ रामदास तथा अन्य संत कवि।

इकाई– II महाराष्ट्र के आधुनिक हिंदी लेखक एवं उनका साहित्यिक अवदान : अनंत गोपाल शेवडे, प्रभाकर माचवे, चंद्रकांत बांदिवडेकर, मालती जोशी, दामोदर खडसे, गजानन माधव मुक्तिबोध, बाबूराव विष्णु पराडकर, सुनील कुमार लवटे, सूर्यनारायण रणसुभे आदि।

इकाई– III हिंदी साहित्य को मराठी अनुवादकों का प्रदेय : प्रमुख अनुवादक और उनका अनुवाद कार्य, निशिकांत ठकार, वेदकुमार वेदालंकार, सूर्यनारायण रणसुभे, प्रकाश भातब्रेकर, चंद्रकांत पाटील, दामोदर खडसे, गोरख थोरात आदि।

इकाई– IV हिंदी भाषा एवं साहित्य के विकास में महाराष्ट्र का योगदान : मराठी और हिंदी का अंतः संबध, महाराष्ट्र प्रदेश में हिंदी के प्रयोग की परंपरा, महाराष्ट्र में हिंदी के प्रयोग एवं प्रभाव के कारण : सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, राजनीतिक आदि। महाराष्ट्र में हिंदी प्रचारक संस्थाएँ, महाराष्ट्र में हिंदी।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र हिंदी भाषा एवं साहित्य के विकास में महाराष्ट्र के योगदान से अवगत होंगे।
2. छात्रों को मराठी संत कवियों द्वारा लिखित हिंदी काव्य का परिचय होगा।
3. मराठी लेखकों द्वारा हिंदी में रचित साहित्य का परिचय होगा।
4. मराठी अनुवादकों द्वारा हिंदी अनुवाद कार्य का ज्ञान होगा।
5. महाराष्ट्र में मराठी और हिंदी के प्रयोग का परिचय होगा।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

अयनांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. मराठी साहित्य परिदृश्य – चंद्रकांत बांदिवडेकर
2. प्रादेशिक भाषा एवं साहित्येतिहास – डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे
3. हिंदी के विकास में महाराष्ट्र का योगदान – सं. डॉ. प्रभात
4. महाराष्ट्र और हिंदी साहित्य – डॉ. कल्पना पाटील
5. भारतीय साहित्य – डॉ. नगेंद्र
6. महाराष्ट्र में हिंदी – डॉ. हाशमबेग मिर्जा
7. मराठी और उसका साहित्य– प्रभाकर माचवे
8. प्रतिनिधि कहानियाँ : मराठी– डॉ. माधव सोनटक्के
9. समकालीन मराठी साहित्य : गति–प्रगती– सं. चंद्रकांत पाटील
10. भारतीय साहित्य– डॉ. नगेंद्र
11. हिंदी साहित्य तथा भाषा को महाराष्ट्र की देन – डॉ. रणजीत जाधव

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

HS-18 अंतः कार्य प्रशिक्षण (On job Training) श्रेयांक–4

अंत : कार्य प्रशिक्षण के उद्देश्य :

1. अंत : कार्य प्रशिक्षण के द्वारा छात्रों को उद्यमिता की ओर आकर्षित कराना।
2. छात्रों के औद्योगिक कौशल को विकसित कराना।
3. अर्जित ज्ञान को पत्रकारिता, अनुवाद, अध्यापन आदि क्षेत्र के कौशल विकास में प्रयोग में लाना।
4. शिक्षा को रोजगाराभिमुख बनाने में सहायता करना।
5. शिक्षा और कौशल का संयोग स्थापित कराना।

संभावित क्षेत्र :

● पत्रकारिता ● अनुवाद ● इलैक्ट्रॉनिक मीडिया ● अध्यापन कार्य

अंत : कार्य प्रशिक्षण की उपादेयता :

1. प्रस्तुत प्रशिक्षण कार्य के द्वारा छात्र अध्ययन के साथ–साथ रोजगाराभिमुख कौशल प्राप्त करेंगे।
2. अध्ययन के साथ–साथ स्वयंरोजगार तथा आत्मनिर्भरता की सोच का विस्तार होगा।
3. ज्ञान के साथ–साथ कौशल भी आत्मसात करेंगे।
4. अंत : कार्य (On job Training) के द्वारा छात्र उद्यमिता की ओर आकर्षित होंगे।
5. ज्ञान और कौशल के संयोग से छात्र भविष्य की चुनौतियों के प्रति सक्षम होंगे।

अंक विभाजन :

1. प्रशिक्षण : 50
2. अहवाल लेखन : 30
3. मौखिकी : 20

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) द्वितीय वर्ष
तृतीय अयन
Level : 6.5

HS- 19 आधुनिक हिंदी कविता श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

6. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों को आधुनिक काव्य की मुख्य प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
7. आधुनिक प्रमुख कवि तथा उनके काव्य से अवगत कराना।
8. आधुनिक काव्य के माध्यम से समकालीन सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक तथा अन्य पहलुओं से अवगत कराना।
9. आधुनिक काव्य के शिल्प से परिचित कराना।
10. काव्य साहित्य के प्रति रूचि निर्माण कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यक्रम :

इकाई– I आधुनिक हिंदी कविता का उद्भव और विकास, आधुनिक हिंदी की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, आधुनिक हिंदी कविता में चेतना का स्वरूप, आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख उपलब्धियाँ

इकाई– II
* **भारतेंदु हरिश्चंद्र**

1) मातृभाषा

2) रोवहु सब मिलि आवहु भारत भई

* **मैथिलीशरण गुप्त**

1) किसान

2) एकांत में यशोधरा

इकाई– III * **सूर्यकांत त्रिपाठी निराला**

1) मैं अकेला

2) रानी और कानी

* **नागार्जुन**

1) कालिदास

2) बहुत दिनों के बाद

इकाई– IV * **वंदना टेटे**

1) हम कविता नहीं करते

2) कोनजोगा

* **मलखान सिंह**

1) मुझे गुस्सा आता है

2) छत की तलाश

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

6. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र आधुनिक हिंदी कविता का विकासक्रम तथा प्रमुख प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।
7. हिंदी के प्रमुख कवि और काव्य आंदोलनों से अवगत होंगे।
8. आधुनिक हिंदी कविताओं में अभिव्यक्त सामाजिक, राजनीतिक तथा अन्य परिस्थितियों से अवगत होंगे।
9. आधुनिक हिंदी कविता के शिल्प विधान के स्वरूप को जान पाएंगे।
10. आधुनिक हिंदी कविता के प्रमुख कवियों के काव्य–साहित्य से अवगत होंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

अयनांत परीक्षा : 50

कुल अंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. **निराला की साहित्य साधना – रामविलास शर्मा**
2. **क्रांतिकारी कवि निराला – बच्चन सिंह**
3. **नयी कविता की चेतना – डॉ. जगदीश कुमार**
4. **समकालीन हिंदी कविता की नयी सोच – डॉ. पद्मजा घोरपडे**
5. **समकालीन हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी**
6. **हिंदी कविता का समकालीन परिदृश्य – राहुल देव**
7. **आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास – नंद किशोर नवल**
8. **आधुनिक हिंदी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ – डॉ. नगेंद्र**
9. **आधुनिक हिंदी कविता में विचार – डॉ. बलदेव वंशी**
10. **आधुनिक हिंदी कविता में बिंब विधान – केदारनाथ सिंह**

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) द्वितीय वर्ष
तृतीय अयन
Level : 6.5

HS- 20 भारतीय काव्यशास्त्र श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. भारतीय काव्यशास्त्र के विकासक्रम का परिचय देना।
2. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख संप्रदायों से अवगत कराना।
3. रचना वैशिष्ट्य और मूल्यबोध को परखने की क्षमता को विकसित कराना।
4. आलोचनात्मक दृष्टि विकसित कराना।
5. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख आचार्यों की वैचारिकता से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यक्रम :

इकाई– I भारतीय काव्यशास्त्र का विकासक्रम

रस सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस निष्पति के सिद्धांत, रस के अंग, साधारणीकरण।

इकाई– II अलंकार सिद्धांत : परिभाषा, स्वरूप, अलंकर और अलंकार्य, काव्य में अलंकार का महत्व।

रीति सिद्धांत : रीति की अवधारणा, रीति के भेद, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।

इकाई– III वक्रोक्ति सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद, वक्रोक्ति का महत्व।

ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद।

इकाई– IV औचित्य सिद्धांत : औचित्य सिद्धांत का स्वरूप, काव्य में औचित्य की अनिवार्यता।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा से अवगत होंगे।
2. संस्कृत आचार्यों द्वारा स्थापित काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांतों का परिचय प्राप्त कर पाएंगे।
3. काव्य के प्रमुख लक्षणों के स्वरूप को जान पाएंगे ।
4. काव्य में रस, अलंकार,वक्रोक्ति तथा ध्वनि के महत्व से अवगत होंगे।
5. भारतीय काव्यशास्त्रीय परंपरा में उद्‌भूत विभिन्न संप्रदायों से अवगत होंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

अयनांत परीक्षा : 50

कुल अंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्यशास्त्र – आ. बलदेव उपाध्याय
2. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत (खंड 1 और 2) – डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
3. काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ. नगेंद्र
4. भारतीय काव्यशास्त्र – सत्यदेव चौधरी
5. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र
6. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. योगेंद्र प्रतापसिंह
7. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. विश्वंभरनाथ उपाध्याय
8. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
9. भारतीय काव्यशास्त्र की पहचान – डॉ. संदीप रणभीरकर
10. भारतीय एवं पाश्चात काव्यशास्त्र की पहचान – प्रो. हरिमोहन

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) द्वितीय वर्ष
तृतीय अयन
Level : 6.5

HS- 21 अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. अनुवाद के स्वरूप, व्याप्ति और उपयोगिता से परिचित कराना।
2. अनुवाद–प्रक्रिया का विधिवत परिचय देना।
3. अनुवाद–कौशल का विकास कराना।
4. अनुवाद की भारतीय तथा पाश्चात्य परंपरा से अवगत कराना।
5. साहित्यिक और साहित्येत्तर अनुवाद के स्वरूप और प्रक्रिया से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति
- विश्लेषण पद्धति
- समूह चर्चा

पाठ्यक्रम :

इकाई– I अनुवाद का स्वरूप : परिभाषा, महत्व, व्याप्ति, अनुवाद कला या विज्ञान?
अनुवाद–प्रक्रिया : मूलभाषा के पाठ का बोधन, लक्ष्यभाषा में अंतरण, पुन:सर्जन

इकाई– II अनुवाद के प्रकार :
विषय के आधार पर : साहित्यिक, वैज्ञानिक, कार्यालयी,
विधा के आधार पर : काव्यानुवाद, नाट्यानुवाद, कथानुवाद

इकाई– III जनसंचार माध्यमों की सामग्री का अनुवाद : स्वरूप एवं विशेषताएँ, प्रिंट माध्यम, इलैक्ट्रॉनिक माध्यमों द्वारा प्रसारित कार्यक्रम सामग्री का अनुवाद।

इकाई– IV अनुवाद कार्य में सहायक साधन : कोश, सूचियाँ, विषय विशेष के ग्रंथ, संगणक आदि।
मशीनी अनुवाद : अवधारणा, स्वरूप, आवश्यकता एवं महत्व
लिप्यंतरण :आवश्यकता, समस्याएँ
अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र अनुवाद की अवधारणा, स्वरूप तथा कार्य से परिचित होंगे।
2. अनुवाद की भारतीय तथा पाश्चात्य परंपरा से अवगत होंगे।
3. अनुवाद के प्रकारों को जान पाएंगे।
4. साहित्येत्तर सामग्री के अनुवाद कार्य से परिचित होंगे।
5. अनुवाद कौशल विकसित कर पाएंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

अयनांत परीक्षा : 50

कुल अंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. अनुवाद की रूपरेखा : डॉ. सुरेश कुमार
2. अनुवाद कला – भोलानाथ तिवारी
3. अनुवाद की प्रक्रिया तकनीक और समस्याएँ – डॉ. श्रीनारायण समीर
4. अनुवाद और अनुप्रयोग – डॉ. दिनेश चमोला
5. अनुवाद के विविध आयाम – डॉ. राजेंद्र घोडे
6. अनुवाद सिद्धांत : कला और प्रयोग – अनिता झाला
7. अनुवाद के भाषा वैज्ञानिक आयाम – प्रो. नानासाहेब गोरे
8. अनुवाद : प्रयोग और परंपरा – गोपाल शर्मा
9. अनुवाद : प्रक्रिया एवं परिदृश्य – रीतारानी पालीवाल
10. ई– अनुवाद और हिंदी – हरिशकुमार जोशी

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) द्वितीय वर्ष
तृतीय अयन
Level : 6.5

HS- 22 विशेष रचनाकार : गीतांजलि श्री श्रेयांक–2

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के द्वारा रचनाकार गीतांजलि श्री के जीवन और साहित्य से परिचित कराना।
2. रचनाकार के साहित्य की मुख्य प्रवृत्तियों से अवगत कराना।
3. रचनाकार द्वारा निर्मित कहानी साहित्य में अभिव्यक्त समस्याओं से परिचित कराना।
4. रचनाकार के उपन्यासों की मूल संवेदना से छात्रों को अवगत कराना।
5. रचनाकार द्वारा लिखित कहानी और उपन्यास शिल्प का परिचय कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यक्रम :

इकाई– I रचनाकार का जीवन एवं साहित्यिक परिचय :

निम्न कहानियों का आलोचनात्मक अध्ययन :

1. बेलपत्र
2. प्राइवेट लाइफ
3. चकरघिन्नी

इकाई– II रचनाकार के उपन्यास का आलोचनात्मक अध्ययन

1. माई

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र रचनाकार गीतांजलि श्री का जीवन तथा साहित्यिक परिचय प्राप्त करेंगे।

2. रचनाकार, साहित्य की मुख प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।
3. रचनाकार द्वारा लिखित कहानियों में अभिव्यक्त समस्याओं से परिचित होंगे।
4. रचनाकार के उपन्यासों का शिल्प विधान समझ पाएंगे।
5. रचनाकार की साहित्यिक मान्यताओं से अवगत होंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

अयनांत परीक्षा : 50

कुल अंक : 100

आधार ग्रंथ :

1. प्रतिनिधि कहानियाँ – गीतांजलि श्री
2. अनुगूँज – गीतांजलि श्री
3. माई – गीतांजलि श्री
4. रेत समाधी – गीतांजलि श्री

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी के अधुनातन नारी उपन्यास – इंदू प्रकाश पांडेय
2. समकालीन कहानी रचना मुद्रा – डॉ. पुष्पपाल सिंह
3. उत्तर शती का हिंदी उपन्यास – डॉ. एम. मोहनन
4. गीतांजलि श्री कृत रेत समाधि उपन्यास एक मूल्यांकन – डॉ. एम. फीरोजखान
5. हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश
6. हिंदी की समकालीन महिला उपन्यासकार – डॉ. एम. वेंकटेश्वर

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) द्वितीय वर्ष
तृतीय अयन
Level : 6.5

HS- 23 विज्ञान कथा साहित्य (वैकल्पिक) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. प्रस्तुत पाठ्यकम के माध्यम से समाज और विज्ञान के अंत:संबंध से परिचित कराना।
2. मनुष्य के भौतिक विकास में वैज्ञानिक साहित्य की भूमिका से अवगत कराना।
3. विज्ञान साहित्य का स्वरूप, आशय तथा प्रमुख प्रवृत्तियों की जानकारी देना।
4. हिंदी में रचित विज्ञान साहित्य – कहानी, उपन्यास, कविता आदि से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति
- विश्लेषण पद्धति
- समूह चर्चा

पाठ्यक्रम :

इकाई– I विज्ञान साहित्य लेखन का स्वरूप और विशेषताएँ, विज्ञान साहित्य लेखन परंपरा, विज्ञान और मानवीय समाज का अंत:संबंध, विज्ञान साहित्य की प्रमुख उवलब्धियाँ

इकाई– II विज्ञान कहानी साहित्य

1. मानव क्लोन तथा तृतीय विश्वयुद्ध – हरीश गोयल
2. भविष्य की विलक्षण आँखे – हरीश गोयल
3. विस्फोट – जाकिरअली रजनीश
4. रोबोटिक्स – जाकिरअली रजनीश

इकाई– III विज्ञान उपन्यास साहित्य : आलोचनात्मक अध्ययन

1. अंतरिक्ष में विस्फोट– जयंत नारलीकर

इकाई– IV विज्ञान कविता साहित्य

1. रसायनशास्त्र की कविता – कुमार सुरेश
2. अब प्लूटो के बारे में नहीं पढाया जाता – विक्रांत भट्ट
3. विज्ञान के आधार पर – शुचि मिश्रा
4. धर्म और विज्ञान का मिलन – डॉ. हरगोविंद सिंह

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र विज्ञान साहित्य की अवधारणा और स्वरूप से परिचित होंगे।
2. विज्ञान साहित्य और मानवीय समाज के अंत:संबंध को जान पाएंगे।
3. विज्ञान साहित्य के द्वारा मनुष्य के भौतिक विकास और उपयोगिता को जान पाएंगे।
4. प्रस्तुत पाठ्यक्रम से छात्रों की वैज्ञानिक सोच का विस्तार होगा।
5. मानवीय विकास में विज्ञान साहित्य की भूमिका से अवगत होंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

अयनांत परीक्षा : 50

कुल अंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. विज्ञान और दर्शन – एम. एन. राय
2. लोक–कला विज्ञान – श्रीचंद्र जैन
3. भारतीय विज्ञान कथाएँ – सं. शुकदेव प्रसाद
4. रोमांचक विज्ञान कथाएँ – जयंत नारलीकर
5. वायरस – जयंत नारलीकर
6. अंतरिक्ष में विस्फोट – जयंत नारलीकर
7. अग्निगर्भ (हिंदी की विज्ञान कथा–कविताएँ) – हेमंत द्विवेदी
8. विज्ञान कविता – पंडित सुरेश नीरव
9. दैनिक जीवन में विज्ञान – सुनील कुमार
10. चुनिंदा विज्ञान कथाएँ – राम शरण रास

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) द्वितीय वर्ष
तृतीय अयन
Level : 6.5

HS- 24 सोशल मीडिया और हिंदी (वैकल्पिक) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. सोशल मीडिया के विकास और महत्व से परिचित कराना।
2. सोशल मीडिया के विभिन्न प्रकारों का परिचय देना।
3. सोशल मीडिया का सकारात्मक उपयोग करने हेतु मार्गदर्शन करना।
4. सोशल मीडिया लेखन में भागीदारी हेतु सक्षम बनाना।
5. ब्लॉग लेखन हेतु छात्रों को प्रेरित करना।

अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति
- विश्लेषण पद्धति
- समूह चर्चा

पाठ्यक्रम :

इकाई– I सोशल मीडिया : संकल्पना एवं स्वरूप
सोशल मीडिया की विकास यात्रा
लोकतंत्र में सोशल मीडिया की भूमिका
डिजिटल साक्षरता

इकाई– II सोशल मीडिया के प्रकार
फेसबुक, व्हाट्सएप, ब्लॉग, यूट्यूब, ट्विटर, इन्स्टाग्राम, ट्वीटर
सोशल मीडिया की भाषा
सोशल मीडिया और मनोविज्ञान

इकाई– III ब्लॉग लेखन का इतिहास
ब्लॉग लेखन की भाषा
ब्लॉग लेखन की प्रक्रिया

इकाई– IV सोशल मीडिया का सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक प्रभाव
जन–आंदोलनों में सोशल मीडिया की भूमिका
हिंदी के प्रचार–प्रसार में सोशल मीडिया की भूमिका

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र सोशल मीडिया का उद्भव, विकास तथा प्रकारों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
2. लोकतंत्र में मीडिया के महत्व को समझ पाएंगे।
3. सोशल मीडिया की उपयोगिता तथा उसके नकारात्मक प्रभावों से परिचित होंगे।
4. सोशल मीडिया लेखन कौशल से अवगत होंगे।
5. सोशल मीडिया के प्रयोग संबंधी अतिरिक्त ज्ञान प्राप्त करेंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

अयनांत परीक्षा : 50

कुल अंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. मीडिया का वर्त्तमान – सं. अकबर रिज़वी
2. मीडिया की बदलती भाषा – अजय कुमार सिंह
3. नए जनसंचार माध्यम और हिंदी – सुधीश पचौरी
4. मीडिया : समकालीन संस्कृति विमर्श – सुधीश पचौरी
5. मास मीडिया और समाज – मनोहर श्याम जोशी
6. मीडिया और लोकतंत्र – प्रो. रविंद्रनाथ मिश्र
7. सोशल मीडिया की राजनीति – सर्वेश्वरकुमार मौर्य, आनंद पांडे
8. मीडिया, साहित्य और संस्कृति – माधव हाडा
9. मीडिया, बाजार और लोकतंत्र – सं पंकज बिष्टा
10. आधुनिक विज्ञान और जनसंपर्क – डॉ. यू. सी. गुप्ता

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) द्वितीय वर्ष
तृतीय अयन
Level : 6.5

HS- 25 हिंदी साहित्य और सिनेमा (वैकल्पिक) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. भारतीय हिंदी सिनेमा की विकास यात्रा से परिचित कराना।
2. सिनेमा और साहित्य के अंतर्संबंध से अवगत कराना।
3. साहित्यिक रचनाओं के फिल्मांतरण की तकनीक से परिचित कराना।
4. सिनेमा में अभिव्यक्त विविध समस्याओं की जानकारी देना।
5. पटकथा लेखन कौशल से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यक्रम :

इकाई– I हिंदी सिनेमा की संक्षिप्त इतिहास
प्रारंभिक दौर का सिनेमा
स्वतंत्रता आंदोलन और सिनेमा
बाल सिनेमा
सिनेमा में भारतीय समाज का यथार्थ

इकाई– II सिनेमा का तकनीकी पक्ष, सिनेमा निर्माण प्रक्रिया, सिनेमा सृजन की सामूहिकता
पटकथा, छायांकन, सिने संगीत

इकाई– III साहित्य और सिनेमा का अंत:संबंध
संवेदना का रूपांतरण और तकनीक
निर्देशन, अभिनय और संपादन, सेंसर बोर्ड,
सिनेमा का वितरण और व्यवसाय

इकाई– IV हिंदी साहित्य और सिनेमा
सिनेमा समीक्षा :
राजा हरिश्चंद्र, देवदास
तीसरी कसम
तारे जमी पर, थ्री इडियटस्
पानसिंह तोमर, मैरी कॉम

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र हिंदी सिनेमा के इतिहास से अवगत होंगे।
2. सिनेमा के सामाजिक सरोकार का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
3. अभिनय कौशल, सिनेमा लेखन कौशल आदि से परिचित होंगे।
4. सिनेमा के क्षेत्र में रोजगार के अवसर को समझ पाएंगे।
5. सिनेमा की समीक्षा का कौशल अवगत करेंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

अयनांत परीक्षा : 50

कुल अंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. सिनेमा : कल आज और कल – विनोद भारद्वाज
2. फिल्म निर्देशन – कुलदीप सिन्हा
3. सिनेमा और संस्कृति – राही मासूम रजा
4. टॉकीज सिनेमा का सफर – अजय ब्रम्हात्मज
5. हिंदी सिनेमा का समकाल – सी. भास्कर राव
6. हिंदी सिनेमा में साहित्यिक विमर्श – डॉ. रमा
7. हिंदी सिनेमा का इतिहास – संजीव श्रीवास्तव
8. हिंदी साहित्य सिनेमा और फिल्मांकन – डॉ. इसपाक अली
9. भारतीय सिनेमा – महेंद्र मिश्र
10. सिनेमा तकनीकी ज्ञान – चंदनसिंह राठौड

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) द्वितीय वर्ष
तृतीय अयन
Level : 6.5

HS- 26 हिंदी व्यंग्य साहित्य (वैकल्पिक) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. व्यंग्य विधा के विभिन्न तत्वों से परिचित कराना।
2. आधुनिक रचनाकारों की व्यंग्य विधाओं का परिचय देना।
3. वर्तमान संदर्भ में व्यंग्य विधा की प्रासंगिकता को बताना।
4. नाटक, उपन्यास एवं कहानी में अभिव्यक्त व्यंग्य के महत्व को समझाना।
5. प्रस्तुत रचनाओं के अध्ययन से सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक व्यंग्य को समझाना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यक्रम :

इकाई– I व्यंग्य : अर्थ एवं स्वरूप, व्यंग्य साहित्य का विकासक्रम, हास्य और व्यंग्य में अंतर, व्यंग्य के प्रकार

इकाई– II नाटक साहित्य – आलोचनात्मक अध्ययन

शंबुक की हत्या – नरेंद्र कोहली

इकाई– III उपन्यास साहित्य – आलोचनात्मक अध्ययन

नरक यात्रा – ज्ञान चतुर्वेदी

इकाई– IV कहानी साहित्य –

हरिशंकर परसाई : सदाचार का ताबीज

नरेंद्र कोहली – बाढ़ का नियंत्रण

रविंद्रनाथ त्यागी – मेरा साहित्य प्रेम

लतीफ घोंघी – सावधान, हम ईमानदार हैं

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र व्यंग्य विधा के स्वरूप से अवगत होंगे।
2. हिंदी के प्रमुख व्यंग्य रचनाकार की रचनाओं का परिचय प्राप्त करेंगे।
3. साहित्य की विभिन्न विधाओं में अभिव्यक्त व्यंग्य के स्वरूप को जान पाएंगे।
4. हिंदी नाटक, उपन्यास तथा कहानी साहित्य में व्यक्त व्यंग्य के उद्देश्य से परिचित होंगे।
5. साहित्य में व्यंग्य विधा के महत्व को जान पाएंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

अयनांत परीक्षा : 50

कुल अंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. शंकर पुणतांबेकर का व्यंग्य साहित्य – डॉ. मीना सुनील सुतवानी
2. हरिशंकर परसाई का व्यंग्य साहित्य – डॉ. इतु सिंह
3. हिंदी गद्य लेखन में व्यंग्य और विचार – सुरेशकांत
4. हास्य व्यंग्य के रंग – डॉ. मणिक मृगेश
5. नरेंद्र कोहली एक मूल्यांकन – प्रेम जनमेजय
6. व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई जी की सामाजिक प्रतिबद्धता – संजय शर्मा
7. बतरस – लतीफ घोंघी
8. हिंदी का स्वातंत्र्योत्तर हास्य और व्यंग्य – डॉ. बालेंद्र शेखर तिवारी
9. व्यंग्य का सौदर्यशास्त्र – डॉ. मलय
10. नरक यात्रा – ज्ञान चतुर्वेदी

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) द्वितीय वर्ष
तृतीय अयन
Level : 6.5

HS- 27 लघु–शोध प्रबंध लेखन (परियोजना – I) श्रेयांक–4

- **लघु–शोध प्रबंध लेखन के उद्देश्य :**
  1. छात्रों की शोध–अभिवृत्ति को विकसित कराना।
  2. अनुसंधान की तकनीक एवं प्रक्रिया से अवगत कराना।
  3. अनुसंधान का महत्व एवं उपादेयता से परिचित कराना।
  4. छात्रों का अनुसंधान कौशल विकसित कर अनुसंधान के लिए विषय चयन तथा उसकी समस्याओं के समाधान के लिए सक्षम बनाना।
  5. बृहत अनुसंधान कार्य की दिशा में छात्रों का समझ का विस्तार करना।
- **लघु–शोध प्रबंध लेखन का स्वरूप :**
  - विषय चयन एवं शीर्षक, प्रमाणपत्र और घोषणा
  - अनुक्रमणिका
  - अध्याय विभाजन
  - विषय एवं शीर्षकानुरूप शोध–विवेचन
  - आवश्यक संदर्भ एवं शोध प्रविधियों का प्रयोग
  - उपसंहार एवं संदर्भ ग्रंथ सूची
- **लघु–शोध प्रबंध लेखन संबंधी आवश्यक निर्देश :**
  1) छात्र शोध–निर्देशक के साथ चर्चा कर शोध–विषय निश्चित कर सकेंगे।
  2) छात्र साहित्य की किसी भी विधा पर लघु–शोध प्रबंध तैयार कर सकेंगे।
  3) छात्र को लघु–शोध प्रबंध का कार्य नियत अवधि में पूरा कर संबंधित शोध–निर्देशक के पास जमा करना होगा।
  4) छात्र को लघु–शोध प्रबंध के सभी मानकों का अनुपालन करते हुए पूरा करना होगा।

5) **लघु–शोध प्रबंध का विस्तार लग–भग** 50-75 **पृष्ठों में हो।**

6) **लघु–शोध प्रबंध पूरा होने के पश्चात उसकी प्रस्तुति पी.पी.टी. द्वारा कर मौखिकी देनी होगी।**

7) **शोध–निर्देशक के लिए समान अनुपात में छात्रों का आबंटन होगा।**

8) **पी.पी.टी. और मौखिकी मूल्यांकन अंतर्गत परिक्षक तथा बाह्य परिक्षक करेंगे।**

- **लघु–शोध प्रबंध का मूल्यांकन :**

1) **लघु–शोध प्रबंध का मूल्यांकन शोध–निर्देशक द्वारा किया जाएगा।**

2) **पॉवर पाइंट प्रजेंटेशन तथा मौखिकी के लिए शोध–निर्देशक अंतर्गत परिक्षक एवं बाह्य परिक्षक इन तीन सदस्यों का पैनल होगा।**

3) **पी.पी.टी. और मौखिकी का मूल्यांकन अंतर्गत परिक्षक तथा बाह्य परिक्षक करेंगे।**

- **लघु–शोध प्रबंध अंक विभाजन :**

लघु–शोध प्रबंध लेखन	**पॉवर पॉइंट प्रजेंटेशन**	**मौखिकी**	**कुल अंक**
50	20	30	100

- **लघु–शोध प्रबंध की उपादेयता :**

1) **छात्र अनुसंधान कौशल तथा उसके महत्व से अवगत होंगे।**

2) **अनुसंधान की प्रविधि एवं प्रक्रिया से परिचित होंगे।**

3) **अनुसंधान की विविध प्रविधियों का परिचय प्राप्त करेंगे।**

4) **समस्या का चयन, समस्या का समाधान तथा नए निष्कर्ष स्थापित कर सकेंगे।**

5) **शोध–सार, संदर्भ, आधार ग्रंथ, सहायक ग्रंथ, शोध के लिए उपयोगी साधनों से परिचित होंगे।**

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) द्वितीय वर्ष
चतुर्थ अयन
Level : 6.5

HS- 28 भारतीय साहित्य श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा और स्वरूप से अवगत कराना।
2. भारतीय साहित्य के अध्ययन तथा अनुवाद की समस्याओं से परिचित कराना।
3. भारतीयता के समाजशास्त्र की अवधारणा को स्पष्ट कराना।
4. भारतीय साहित्य में अभिव्यक्त सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, प्राकृतिक तथा राष्ट्रीय मूल्यों से अवगत कराना।
5. तमिल भाषा में निर्मित साहित्य से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति
- विश्लेषण पद्धति
- समूह चर्चा

पाठ्यक्रम :

इकाई– I भारतीय साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

भारतीय साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ

भारतीय साहित्य में अभिव्यक्त विविध संदर्भ

भारतीय साहित्य के अध्ययन और अनुवाद की समस्याएँ

इकाई– II तमिल साहित्य का विकासात्मक परिचय

संगम साहित्य, नैनार और आलवार साहित्य

बौद्ध और जैन साहित्य, मध्ययुगीन भक्ति साहित्य

आधुनिक काल का तमिल साहित्य

प्रमुख रचनाकार, तथा मुख्य प्रवृत्तियाँ

इकाई– III तमिल उपन्यास का आलोचनात्मक अध्ययन

दलित–संघ– के. चिन्नप्प भारती– अनुवाद – विजयलक्ष्मी सुंदरराजन

इकाई– IV तमिल कविता का आलोचनात्मक अध्ययन

1. नाचेंगे हम – सुब्रम्हण्यम भारती
2. एक ग्रामीण नदी– सिर्पी बालसुब्रम्हण्यम – अनुवाद– वी. पद्मावती
3. यह शताब्दी : तीन दृश्य– एन. सुकुमारन – अनुवाद– गिरधर राठी
4. प्रेम – ए. के. परंदामतार– अनुवाद– श्रीमती आनंदी रमानाथ
5. देश वंदना – ए. पी. जे. अब्दुल कलाम – अनुवाद– कैप्टन गोपीसिंह

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठयक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र भारतीय साहित्य की अवधारणा से अवगत होंगे।
2. तमिल भाषा तथा साहित्य से परिचित होंगे।
3. तमिल उपन्यास 'दलित–संघ' का शिल्पगत अध्ययन कर सकेंगे।
4. तमिल कविता के आशय और संदर्भ से अवगत होंगे।
5. भारतीय साहित्य में अभिव्यक्त मूल्य तथा विविध संदर्भों का परिचय प्राप्त करेंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

अयनांत परीक्षा : 50

कुल अंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्य – डॉ. नगेंद्र
2. भारतीय वाङ्मय – संपा. डॉ. नगेंद्र
3. भारतीय साहित्य की भूमिका – रामविलास शर्मा
4. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ – के. सच्चिदानंद
5. भारतीय साहित्य – डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय
6. भारतीय साहित्य – डॉ. रामछबीला त्रिपाठी

7. **तमिल साहित्य का इतिहास – मु. वरदराजन**

8. **तमिल और उसका साहित्य – श्री पूर्ण सोमसुंदरम**

9. **दलित संघ – के. चिन्नप्प भारती**

10. **तमिल साहित्य – श्री. सी. सुब्रम्हण्यम**

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) द्वितीय वर्ष
चतुर्थ अयन
Level : 6.5

HS- 29 पाश्चात्य काव्यशास्त्र श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकासक्रम का परिचय देना।
2. पाश्चात्य चिंतकों के चिंतन, सिद्धांत और प्रमुख आंदोलनों से अवगत कराना।
3. छात्रों को सृजन, आस्वादन एवं आलोचना दृष्टि देना।
4. पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों की अवधारणा एवं प्रवृत्तियों से अवगत कराना।
5. पाश्चात्य चिंतकों की काव्य विषयक मान्यताओं का परिचय कराना।

अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति
- विश्लेषण पद्धति
- समूह चर्चा

पाठ्यक्रम :

इकाई– I पाश्चात्य काव्यशास्त्र का विकासक्रम
प्लेटो का अनुकरण सिद्धांत
अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत
अरस्तु का विरेचन सिद्धांत : स्वरूप, विवेचन
विरेचन का महत्व, त्रासदी का विवेचन

इकाई– II टी. एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य।
उदात्त सिद्धांत : उदात्त की व्याख्या, उदात्त के अंतरंग और बहिरंग तत्व, काव्य में उदात्त का महत्व, लोंजाइनस का योगदान।

इकाई– III आई. ए. रिचर्डस का मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत, काव्य में मूल्य की मनोवैज्ञानिक व्याख्या, संप्रेषण सिद्धांत की परिभाषा और स्वरूप, संप्रेषण सिद्धांत का महत्व

इकाई– IV विविधवाद : स्वरूप, विवेचन एवं महत्व

अभिव्यंजनावाद, विखंडनवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकता।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकासक्रम से अवगत होंगे।
2. पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों का स्वरूप एवं प्रमुख विशेषताओं से परिचित होंगे।
3. पाश्चात्य काव्य चिंतकों का काव्य तथा सौंदर्य विषयक मान्यताओं से अवगत होंगे।
4. उत्तर आधुनिकतावाद की अवधारणा से परिचित होंगे।
5. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों को तुलनात्मक ढंग से समझने का प्रयास करेंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

अयनांत परीक्षा : 50

कुल अंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. पाश्चात्य साहित्य चिंतन–निर्मला जैन
2. संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र – गोपीचंद नारंग
3. आधुनिक परिवेश और अस्तित्ववाद – शिवप्रसाद सिंह
4. अस्तित्ववाद और मानववाद – ज्यां पॉल सार्त्र
5. उत्तर–आधुनिकतावाद और उत्तर – संरचनावाद – सुधीश पचौरी
6. काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा – निर्मला जैन
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र अधुनातन संदर्भ – सत्यदेव मिश्र
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – मैथिलीप्रसाद भारद्वाज
9. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास सिद्धांत और वाद – डॉ. भगीरथ मिश्र
10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन डॉ. बच्चन सिंह

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) द्वितीय वर्ष
चतुर्थ अयन
Level : 6.5

HS- 30 स्त्री विमर्श श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. वैश्विक एवं भारतीय संदर्भों में स्त्री विमर्श की प्रासंगिकता से परिचय कराना।
2. पितृसत्ता और सामाजिक वर्जनाओं के तिरस्कार की पद्धति को समझाना।
3. स्त्री अस्मिता और अस्तित्व के प्रश्नों को स्त्रियों के नजरिये से समझाना।
4. स्त्रियों से संबंधित शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आजीविका के मुद्दों से परिचय कराना।
5. धर्म, संस्कृति और रुढ़ि–परंपराओं का स्त्रियों पर पड़ने वाले प्रभाव को समझाना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यक्रम :

इकाई– I स्त्री विमर्श का सैद्धांतिक पक्ष

स्त्री विमर्श का अर्थ, आशय एवं अवधारणा

स्त्री विमर्श का उद्भव–विकास और इतिहास / स्त्री आंदोलन

पितृसत्ता की अवधारणा एवं सामाजिक संरचना

इकाई– II टूटे पंखों से परवाज़ तक– सुमित्रा महरोल (आत्मकथा)

दलित एवं गैर–दलित स्त्री जीवन में साम्य–वैषम्य

उत्पीड़न, वर्चस्व और भेदभाव की राजनीति

स्त्री जीवन के अनुभव, संघर्ष और स्वप्न

इकाई– III देह ही देश–गरिमा श्रीवास्तव (डायरी)

युद्धों का इतिहास, वर्चस्व की राजनीति और स्त्री देह

स्त्री आजीविका के साधन और श्रम पर युद्धों का प्रभाव

स्त्रियों के शारिरीक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर युद्धों का प्रभाव

इकाई– IV ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ–सुधा सिंह (आलोचना)
स्त्री अस्मिता, समानता और मनोशास्त्र
स्त्रीवाद की महत्वपूर्ण अवधारणाएं
भाषाविज्ञान की वैज्ञानिकता और स्त्री भाषा

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. स्त्री आंदोलन के इतिहास से परिचित होंगे।
2. स्त्री विमर्श की संभावनाओं एवं उसकी चुनौतियों से परिचित होंगे।
3. स्त्री अस्तिव और उसके श्रम के महत्त्व को समझेंगे।
4. स्त्री विमर्श में मौजूद प्रतिरोध के स्वरों की व्याख्या कर सकेगें।
5. लैंगिक गैर–बराबरी की समझ विकसित होगी।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50
अयनांत परीक्षा : 50
कुल अंक : 100

आधार ग्रंथ :

1. टूटे पंखों से परवाज़ तक – सुमित्रा महरोल
2. देह ही देश– गरिमा श्रीवास्तव
3. ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ – सुधा सिंह
4. स्त्री : उपेक्षिता– सिमोन द बोउवार (अनु. प्रभा खेतान)

संदर्भ ग्रंथ :

1. सीमन्तनी उपदेश – डॉ. धर्मवीर (संपा.)
2. स्त्री अधिकारों का औचित्य–साधन – मेरी वोल्टसनक्रॉफ्ट
3. स्त्री अध्ययन की बुनियाद– प्रमिला के. पी.
4. आदमी की निगाह में औरत – राजेन्द्र यादव
5. दलित स्त्रीवाद – अनिता भारती, संजीव चंदन (संपा.)
6. स्त्री संघर्ष का इतिहास – राधा कुमार

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) द्वितीय वर्ष
चतुर्थ अयन
Level : 6.5

HS- 31 हिंदी आलोचना (वैकल्पिक) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. आलोचना के स्वरूप एवं विविध प्रकारों से अवगत कराना।
2. हिंदी के प्रमुख आलोचकों के आलोचनात्मक प्रतीमानों का परिचय देना।
3. साहित्यलोचन एवं व्यावहारिक समीक्षा दृष्टि से अवगत कराना।
4. हिंदी आलोचना के इतिहास का परिचय कराना।
5. हिंदी के प्रतिनिधि आलोचकों का परिचय करवाना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यक्रम :

इकाई– I आलोचना : स्वरूप एवं उद्देश्य

आलोचक के गुण, आलोचना की प्रमुख विशेषताएँ, आलोचना और अनुसंधान।

इकाई– II आलोचना दृष्टियाँ एवं पद्धतियाँ

शास्त्रीय, प्रभाववादी, व्याख्यात्मक, ऐतिहासिक, मार्क्सवादी, संरचनावादी, शैली वैज्ञानिक।

इकाई– III हिंदी आलोचना का संक्षिप्त इतिहास

भारतेंदुयुगीन आलोचना, द्विवेदीयुगीन आलोचना, आचार्य रामचंद्र शुक्ल युगीन आलोचना, शुक्लोतर आलोचना, समकालीन आलोचना।

इकाई– IV हिंदी के प्रमुख आलोचक

आ. रामचंद्र शुक्ल,

आ. नंददुलारे वाजपेयी,

आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी,

डॉ. रामविलास शर्मा,

डॉ. नामवर सिंह

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठयक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र आलोचना का स्वरूप एवं उद्देश्य से अवगत होंगे।
2. आलोचना की विभिन्न शैलियों का परिचय प्राप्त करेंगे।
3. आलोचना के विकासात्मक परिचय से अवगत होंगे।
4. हिंदी के प्रमुख आलोचक और उनकी आलोचना पद्धतियों को जान पाएंगे।
5. साहित्य में आलोचना के महत्व को समझ पाएंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

अयनांत परीक्षा : 50

कुल अंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. समीक्षा शास्त्र – डॉ. दशरथ ओझा
2. हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ – डॉ. रामेश्वरलाल खंडेलवाल
3. आलोचना : प्रकृति और परिवेश – डॉ. तारकनाथ बाली
4. आलोचना का स्वराज – प्रो. सतीश यादव
5. इतिहास और आलोचना – डॉ. नामवर सिंह
6. आधुनिक आलोचना के बीज शब्द – बच्चन सिंह
7. हिंदी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी
8. समकालीन आलोचक और आलोचना – रामबक्ष
9. हिंदी आलोचना के सैद्धांतिक आधार – कृष्णदत्त पालीवाल
10. साहित्यशास्त्र तथा आलोचना – प्रो. माधव सोनटक्के

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) द्वितीय वर्ष
चतुर्थ अयन
Level : 6.5

HS- 32 सौंदर्यशास्त्र (वैकल्पिक) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. सौंदर्यशास्त्र का स्वरूप, व्याप्ति तथा प्रमुख विशेषताओं से परिचित कराना।
2. सौंदर्यशास्त्र का अन्य ज्ञान शाखाओं से संबंध से अवगत कराना।
3. सौंदर्य के उपादान तथा सौंदर्यानुभूति से अवगत कराना।
4. भारतीय और पाश्चात्य सौंदर्यशास्त्रीय चिंतकों की सौंदर्यविषयक मान्यताओं का परिचय करवाना।
5. साहित्य के सौंदर्यबोध से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यक्रम :

इकाई– I सौंदर्य: परिभाषा, स्वरूप, सौंदर्य के पर्यायी शब्द और उनका औचित्य, सौंदर्य और कला का अंत:संबंध, सुंदर और उदात्त, सत्यम्, शिवम् तथा सुंदरम् विषयक संकल्पना, सौंदर्य की कलावादी दृष्टि, सौंदर्य के उपादान।

इकाई– II सौंदर्यशास्त्र : स्वरूप एवं व्याप्ति, सौंदर्यशास्त्र का अन्य ज्ञानशाखाओं से संबंध – दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, शैलीविज्ञान, कलाविज्ञान।

इकाई– III सौंदर्यानुभूति, सौंदर्यबोध, रसानुभूति का परस्पर संबंध एवं अंतर, विशिष्ट पुनः प्रत्यय और सौंदर्यबोध, रसानुभूति का परस्पर संबंध एवं अंतर, विशिष्ट पुनः प्रत्यय और सौंदर्यबोध, अनुभूति का प्रत्यक्षीकरण, और सौंदर्यबोध, साहित्य का सौंदर्यबोध, सौंदर्यानुभूति।

इकाई– IV भारतीय एवं पाश्चात्य सौंदर्यशास्त्रीय परंपरा का संक्षिप्त इतिहास, साहित्य समीक्षा प्रणाली के रूप में सौंदर्यशास्त्र की उपयोगिता एवं महत्व

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. **प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने से छात्र सौंदर्य की अवधारणा से अवगत होंगे।**
2. **सौंदर्यशास्त्र के अन्य ज्ञान शाखाओं से संबंध से परिचित होंगे।**
3. **साहित्य में सत्यम, शिवम्, सुंदरम की अवधारणा से अवगत होंगे।**
4. **सौंदर्यानुभूति और रसानुभूति के परस्पर संबंध से परिचित होंगे।**
5. **भारतीय एवं पाश्चात्य सौंदर्यशास्त्रीय परंपरा तथा चिंतकों से अवगत होंगे।**

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

अयनांत परीक्षा : 50

कुल अंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. **शैली विज्ञान – डॉ. नगेंद्र**
2. **शैली विज्ञान – डॉ. सुरेश कुमार**
3. **शैली विज्ञान : प्रतिमान और विश्लेषण – डॉ. शशिभूषण शीतांषु**
4. **सौंदर्यशास्त्र के तत्व – डॉ. विमल कुमार**
5. **रससिद्धांत और सौंदर्यशास्त्र – डॉ. निर्मला जैन**
6. **अथातो सौंदर्य जिज्ञासा डॉ. रमेश कुंतल मेघ**
7. **सौंदर्यतत्व निरुपण – एस. टी. नरसिंहचारी**
8. **सौंदर्यशास्त्र की पाश्चात्य परंपरा – नीलकांत**
9. **सौंदर्यशास्त्र – ममता चतुर्वेदी**
10. **सौंदर्यशास्त्र – डॉ. हरद्वारी लाल शर्मा**

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) द्वितीय वर्ष
चतुर्थ अयन
Level : 6.5

HS- 33 वैश्विक साहित्य (वैकल्पिक) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. वैश्विक साहित्य का स्वरूप, अवधारणा और प्रमुख विशेषताओं से अवगत कराना।
2. वैश्विक साहित्य के मानवीय संदर्भ से परिचित कराना।
3. वैश्विक साहित्य में अभिव्यक्त मानवीय उदात्त संकल्पनाओं से अवगत कराना।
4. वैश्विक साहित्य के उपन्यास, कहानी तथा काव्य रचनाओं में व्यक्त मानवीय मूल्यों से परिचित कराना।
5. विश्व साहित्य में अभिव्यक्त 'वसुदैव कुटुंबकम' का भावना का परिचय कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यक्रम :

इकाई– I वैश्विक साहित्य की अवधारणा, स्वरूप एवं प्रमुख विशेषताएँ

वैश्विक साहित्य में अभिव्यक्त मानवीय मूल्य, वैश्विक साहित्य में व्यक्त संदर्भ

इकाई– II वैश्विक उपन्यास साहित्य : आलोचनात्मक अध्ययन

1. माँ– मैक्झीम गोर्की

इकाई– III वैश्विक कहानी साहित्य

1. ईश्वर एवं प्यार – लियो टॉल्सस्टॉय
2. मरणासन्न बूढ़ा आदमी – मोपासां
3. पुल – चेखव
4. माता और पुत्री – डी. एच. लॉरेंस
5. सवेरे की रोशनी – खलील जिब्रान

इकाई– IV वैश्विक काव्य साहित्य

1. **घृणा के बीच घिरे हुए – अल्बेयर कामू (फ्रांसीसी)**
2. **बोनामी डोगरी के लिए – टी. एस. इलियर (अंग्रेजी)**
3. **मैं कभी पीछे नहीं लौटूंगी – मीना किश्वर कमाल (अफगानी)**
4. **कविता की रोटी– नाओशी कोरियामा (जापानी)**
5. **आप धीरे – धीरे मरने लगते हैं – मार्था मेरिडोस – (ब्राजीली)**

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. **प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र विश्व साहित्य की अवधारणा से अवगत होंगे।**
2. **वैश्विक साहित्य में अभिव्यक्त विविध मानवीय संबंधों का परिचय प्राप्त करेंगे।**
3. **वैश्विक उपन्यास, कहानी तथा काव्य साहित्य के शिल्प सौंदर्य का परिचय प्राप्त करेंगे।**
4. **विश्व स्तरीय साहित्यिकों के साहित्य की लेखन शैली, विषय, आशय तथा उद्देश्य से अवगत होंगे।**
5. **भारतीय तथा वैश्विक साहित्य को तुलनात्मक रूप में समझने का प्रयास करेंगे।**

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50
अयनांत परीक्षा : 50
कुल अंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. **आधुनिक विश्व साहित्य – नामवर सिंह**
2. **विश्व– साहित्य – पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी**
3. **विश्व साहित्य की चर्चित कहानियाँ – नरेंद्र तोमर**
4. **विश्व साहित्य की रूपरेखा – भगवतशरण उपाध्याय**
5. **प्रवासी हिंदी साहित्य : वैश्विक परिदृश्य – डॉ. नवनीत कौर**

6. गोर्की, प्रेमचंद, लू शुन – राणा प्रताप
7. ग्यारह श्रेष्ठ कहानियाँ – अंतोन चेखव
8. विश्व कविता की क्रांतिकारी विरासत – रामनिहात गुंजन
9. विश्व साहित्य संकलन – जितेंद्र भाटिया
10. माँ – मैक्सिम गोर्की

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) द्वितीय वर्ष
चतुर्थ अयन
Level : 6.5

HS- 34 हिंदी साहित्य और पर्यावरण (वैकल्पिक) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. छात्रों में पर्यावरणीय चेतना के प्रति जागरूक करना।
2. साहित्य और पर्यावरण के संबंधों को समझाना।
3. प्रकृति और मानव मूल्यों की साझी परंपरा से अवगत कराना।
4. पर्यावरण का मानव समाज के आर्थिक–सामाजिक पक्ष पर पड़ते प्रभाव का साहित्यिक व आलोचनात्मक अध्ययन कराना।
5. साहित्य और पर्यावरण के अंत:संबंध से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति
- विश्लेषण पद्धति
- क्षेत्रीय भेंट

पाठ्यक्रम :

इकाई– I

- पर्यावरण : सामान्य परिचय
- पूर्व मध्यकाल के साहित्य में पर्यावरणीय बोध, तुलसी और जायसी की रचनाओं में पर्यावरणीय चेतना
- षडऋतु और बारहमासा सामान्य परिचय
- उत्तर मध्यकाल में पर्यावरणीय बोध, मतिराम और सेनापति की रचनाओं में पर्यावरणीय चेतना

इकाई– II

- भारतेन्दु युगीन साहित्य में पर्यावरणीय बोध, भारतेन्दु और ठाकुर जगमोहन की रचनाओं में पर्यावरणीय चेतना
- द्विवेदी युगीन साहित्य में पर्यावरणीय बोध, मैथलीशरण गुप्त, पंडित लोचन प्रसाद पाण्डेय

इकाई– III
- छायावाद में चित्रित पर्यावरणीय बोध, महादेवी वर्मा, सुमित्रानंदन पंत और जयशंकर प्रसाद (कामायनी) की रचनाओं में प्रकृति चित्रण
- छायावादोत्तर युग में पर्यावरणीय चेतना, नागार्जुन और केदारनाथ अग्रवाल (फूल नहीं रंग बोलते हैं) की कविताओं में पर्यावरणीय चेतना

इकाई– IV
- समकालीन साहित्य की विविध विधाओं में पर्यावरणीय बोध
- निबंध, रिपोर्ताज, कविता, यात्रा साहित्य, उपन्यास, अब भी खरे हैं तालाब (अनुपम मिश्र)

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. उपरोक्त पाठ्यक्रम से छात्रों में पर्यावरण संबंधी तथ्यों पर विमर्श हो सकेगा।
2. इससे पर्यावरणीय सामाजिक दायित्यों का बोध होगा।
3. साहित्य और पर्यावरण के अंतर्संबंधों की समझ उत्पन्न होगी।
4. पर्यावरण के आर्थिक, सामाजिक पक्षों की समझ उत्पन्न होगी
5. पर्यावरण संवर्धन की चेतना का विकास होगा।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50
अयनांत परीक्षा : 50
कुल अंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य में पर्यावरणीय संवेदना– दत्ता कोल्हारे
2. अच्छे विचारों का अकाल – अनुपम मिश्र
3. हिन्दी का पर्यावरणीय साहित्य – प्रभाकरन हेब्बर इल्लत
4. आलोचना, प्रकृति और परिवेश, तारकनाथ बाली
5. हरी–भरी उम्मीद की गुंजाइश – शेखर पाठक

6. **बंदिनी महानंदा– दिनेश कुमार मिश्र**
7. **पर्यावरण और समकालीन हिंदी साहित्य – डॉ. प्रभाकरण इल्लत**
8. **समकालीन हिंदी साहित्य में पर्यावरण विमर्श – डॉ. ए. सुयेश**
9. **पर्यावरण चेतना – प्रो. चंद्रावती**
10. **हिंदी गद्य साहित्य में प्रकृति – ओमप्रकाश सिंहल**

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) द्वितीय वर्ष
चतुर्थ अयन
Level : 6.5

HS- 35 प्रबंध लेखन (परियोजना – II) श्रेयांक–6

- **शोध प्रबंध लेखन के उद्देश्य :**

  6. छात्रों की शोध–अभिवृत्ति को विकसित कराना।
  7. अनुसंधान की तकनीक एवं प्रक्रिया से अवगत कराना।
  8. अनुसंधान का महत्व एवं उपादेयता से परिचित कराना।
  9. छात्रों का अनुसंधान कौशल विकसित कर अनुसंधान के लिए विषय चयन तथा उसकी समस्याओं के समाधान के लिए सक्षम बनाना।
  10. बृहत अनुसंधान कार्य की दिशा में छात्रों का समझ का विस्तार करना।

- **प्रबंध लेखन का स्वरूप :**
  - विषय चयन एवं शीर्षक, प्रमाणपत्र और घोषणा
  - अनुक्रमणिका
  - अध्याय विभाजन
  - विषय एवं शीर्षकानुरूप शोध–विवेचन
  - आवश्यक संदर्भ एवं शोध प्रविधियों का प्रयोग
  - उपसंहार एवं संदर्भ ग्रंथ सूची

- **प्रबंध लेखन संबंधी आवश्यक निर्देश :**

  1) छात्र शोध–निर्देशक के साथ चर्चा कर शोध–विषय निश्चित कर सकेंगे।
  2) छात्र साहित्य की किसी भी विधा पर शोध प्रबंध तैयार कर सकेंगे।
  3) छात्र को शोध प्रबंध का कार्य नियत अवधि में पूरा कर संबंधित शोध–निर्देशक के पास जमा करना होगा।
  4) छात्र को शोध प्रबंध के सभी मानकों का अनुपालन करते हुए पूरा करना होगा।

5) शोध प्रबंध का विस्तार लग–भग 75-125 पृष्ठों में हो।

6) शोध प्रबंध पूरा होने के पश्चात उसकी प्रस्तुति पी.पी.टी. द्वारा कर मौखिकी देनी होगी।

7) शोध–निर्देशक के लिए समान अनुपात में छात्रों का आबंटन होगा।

- **प्रबंध का मूल्यांकन :**

1) शोध प्रबंध का मूल्यांकन शोध–निर्देशक द्वारा किया जाएगा।

2) पॉवर पाइंट प्रजेंटेशन तथा मौखिकी के लिए शोध–निर्देशक, अंतर्गत परिक्षक एवं बाह्य परिक्षक इन तीन सदस्यों का पैनल होगा।

3) पी.पी.टी. और मौखिकी का मूल्यांकन अंतर्गत परिक्षक तथा बाह्य परिक्षक करेंगे।

- **प्रबंध अंक विभाजन :**

प्रबंध लेखन	पॉवर पॉइंट प्रजेंटेशन	मौखिकी	कुल अंक
100	25	25	150

- **शोध प्रबंध की उपादेयता :**

6) छात्र अनुसंधान कौशल तथा उसके महत्व से अवगत होंगे।

7) अनुसंधान की प्रविधि एवं प्रक्रिया से परिचित होंगे।

8) अनुसंधान की विविध प्रविधियों का परिचय प्राप्त करेंगे।

9) समस्या का चयन, समस्या का समाधान तथा नए निष्कर्ष स्थापित कर सकेंगे।

10)शोध–सार, संदर्भ, आधार ग्रंथ, सहायक ग्रंथ, शोध के लिए उपयोगी साधनों से परिचित होंगे।

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम तथा द्वितीय वर्ष
परीक्षा पद्धति, मूल्यांकन एवं अंक विभाजन

* आंतरिक मूल्यांकन (4 श्रेयांक)

- लघुत्तरी परीक्षा : 20 अंक
- शोध–परियोजना : 20 अंक
- शोध–परियोजना प्रस्तुति : 10
- अयनांत परीक्षा : 50
- कुल अंक : 100

* आंतरिक मूल्यांकन (2 श्रेयांक)

- लघुत्तरी परीक्षा : 15 अंक
- शोध–परियोजना : 05 अंक
- शोध–परियोजना प्रस्तुति : 05
- अयनांत परीक्षा : 25
- कुल अंक : 50

* लघुत्तरी एवं अयनांत परीक्षा/प्रश्नपत्र स्वरूप

- लघुत्तरी परीक्षा (4 श्रेयांक) में कुल आठ प्रश्न विकल्प के साथ होंगे, जिनमें से चार प्रश्न लिखने होंगे। प्रति प्रश्न अंक (05) होंगे।
- अयनांत परीक्षा (4 श्रेयांक) में विकल्प के साथ कुल दस प्रश्न होंगे, जिनमें से पाँच प्रश्न लिखने होंगे। पाँचवा प्रश्न टिप्पणी/ससंदर्भ व्याख्या का होगा। प्रति प्रश्न अंक (10) होंगे।
- लघुत्तरी परीक्षा (2 श्रेयांक) में विकल्प के साथ कुल छह प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल तीन प्रश्न लिखने होंगे। प्रति प्रश्न अंक (05) होंगे।

- **अयनांत परीक्षा (2 श्रेयांक) में विकल्प के साथ कुल छह प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल तीन प्रश्न लिखने होंगे। तीसरा प्रश्न टिप्पणी/ससंदर्भ व्याख्या का होगा।**
- **दीर्घोत्तरी प्रश्न के लिए प्रति प्रश्न अंक 10 होंगे तथा टिप्पणी अथवा ससंदर्भ व्याख्या के लिए 5 अंक होंगे।**
- **शोध परियोजना पाठ्यविषय से संबंधित होगी। विद्यार्थी अध्यापक के साथ विचार–विमर्श कर शोध–परियोजना का विषय निश्चित कर सकते हैं।**
- **विद्यार्थी द्वारा संपन्न शोध–परियोजना पर आधारित प्रस्तुति होगी।**

***